छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 267 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 20 अक्टूबर 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

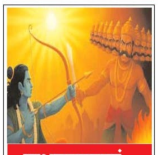

शुभकामनाएं...

समस्त पाठकों एवं विज्ञापन दाताओं को विजयादशमी, दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं..

अवकाश सूचना

विजयादशमी, दशहरा के अवसर पर छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन कार्यालय में 20 अक्टूबर 2026 को अवकाश रहेगा।
संपादक

रायफल छोड़कर शराब के नशे में धुत्त एएसआई और आरक्षक जमीन में लुढ़के

■ केंद्रीय जेल में बंदी को शिफ्ट कराने आए थे, दुर्ग एसपी ने दोनों को निलम्बित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दुर्ग से बंदी को शिफ्ट कराने अंबिकापुर सेंट्रल जेल आए एएसआई और आरक्षक की करतूत ने वर्दी को शर्मसार कर दिया। बताया जा रहा है कि, बंदी को जेल में दाखिल करने के बाद दोनों अंबिकापुर के प्रतीक्षा बस स्टैंड पहुंचे और दुर्ग जाने से पहले छककर शराब पी। मौके की स्थिति को देखने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि, दोनों होश खोकर कुर्सी से जमीन पर लुढ़क गए और रातभर वहीं पड़े रहे। सुबह करीब 7 बजे तक वे इसी हालत में पड़े थे, जबकि सरकारी इंसास रायफल पास ही काउंटरनुमा टेबल में लावारिस हाल में पड़ी रही।

बता दें कि, दुर्ग रक्षित केंद्र में पदस्थ एएसआई जीवन प्रकाश एक्का और आरक्षक क्रमांक 1223 ऋषिकांत त्रिपाठी को 17 अक्टूबर को एक बंदी को अंबिकापुर जेल शिफ्ट कराने भेजा गया था। 18 अक्टूबर को बंदी को जेल में दाखिल करने के बाद दोनों प्रतीक्षा बस स्टैंड पहुंचे। यहीं पास में स्थित शराब दुकान से शराब लेकर ठेले के पास बैठकर जमकर पी, और दोनों नशे में मस्त हो गए। आरक्षक कुर्सी से जमीन पर लुढ़क गया, वर्दीधारी एएसआई भी कुर्सी छोड़कर दुकान के सामने लुढ़क गए। पूरी रात इंसास रायफल लावारिस हाल में पड़े रह गया। पास में ही शराब भरी खाली डिस्पोजल गिलास पड़ा था। सुबह होते तक दोनों का नशा परवान पर था।

सुबह बस स्टैंड पहुंचे लोगों ने इन्हें जमीन पर पड़े देखा, और वीडियो बनाकर बस स्टैंड चौकी पुलिस को इसकी सूचना दी। चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे, डीआईजी एवं सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल के संज्ञान में मामले का लाया गया। इंसास रायफल लावारिस हाल में पड़े रहने की सूचना दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शासकीय रायफल को सर्वप्रथम सुरक्षित किया गया।

दुर्ग पुलिस अधीक्षक ने किया निलम्बित

सरगुजा एसएसपी की सूचना पर दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल ने तत्काल एक्शन लेते हुए दोनों को सस्पेंड कर दुर्ग पुलिस लाइन में अटैच कर दिया है। आदेश में लिखा है कि 18.10.2026 को 17.40 बजे नया बस स्टैंड में वर्दी में शराब पीकर इंसास छोड़कर जमीन पर सोते पाए जाने पर दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करके रक्षित निरीक्षक दुर्ग में संबद्ध किया गया है। रक्षित निरीक्षक दुर्ग को 5 दिन में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पेश करने कहा गया है। हथियार की सुरक्षा में लापरवाही के बाद अब विभागीय जांच के बाद क्या कार्रवाई होती है, यह आने वाला समय बताएगा।

शक्ति सदन में बजी सुकून की शहनाई 'मीरा' ने किया 33वां कन्यादान

मासूम को मिला पिता का सहारा, विदाई के पल पर हर आंखें हुई नम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रेम... फिर एक नन्हीं जान का जन्म और अपनों की बेरुखी। नाबालिग अवस्था में हुए प्रेम की परिणति ने प्रेमी को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया, वहीं परिवार से मिली ठोकर के बाद प्रेमिका को 'बालिका गृह-शक्ति सदन' में पनाह मिली। एक और कहानी पल रही थी मासूम बच्ची की, जो अपनी मां के आंचल से ज्यादा शक्ति सदन की प्रमुख और यहां काम करने वाली बहनों के गोद में किलकारियां मारते हुए बड़ी हो रही थी। इन हालातों के बीच शक्ति सदन में 3 साल गुजार चुकी बेटी का शुक्रवार को पूरे हिंदू रीति-रिवाज से कन्यादान किया एमएसएसव्हीपी, शक्ति सदन की संचालिका डॉ. मीरा शुक्ला ने, बड़ी बात यह है कि यह उनका 33वां कन्यादान था। परिसर में शहनाई बजी, पर उस शहनाई के सुर में खुशी से ज्यादा सुकून था, न सिर्फ दो दिलों को जोड़ने का, बल्कि ढाई साल की मासूम को उसके पिता का नाम मिल जाने का। विवाह के बाद ढाई साल की नन्हीं परी ने जब अपनी मां को शादी के जोड़े में सजे-धजे और पिता को पुचकारते देखा, तो वह एकटक इन्हें निहारती रह गई। इस दौरान शक्ति सदन में खुशी और गम के मिले-जुले आंसुओं की ऐसी धारा बही कि वहां मौजूद हर शख्स सिसक पड़ा। यह सिर्फ एक शादी नहीं, बल्कि एक लंबी लड़ाई की जीत भी थी।

विदाई के पल ने सभी को भावुक कर दिया

16 अक्टूबर, शुक्रवार को शक्ति सदन परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया। वर पक्ष से 35-40 बाराती आए। संस्था की ओर से सभी का स्वागत करके जलपान और भोजन कराया गया। वैदिक मंत्रों के बीच कन्यादान, मंगलसूत्र, सिंदूरदान और बिछिया की रस्म पूरी हुई। इसके पहले दो दिनों तक मंडप और हल्दी की रस्म को पूरा किया गया, जिसमें संस्था के सभी महिला कर्मचारी भी शामिल हुए। जब डॉ. मीरा शुक्ला ने प्रियांशी का हाथ संदीप के हाथ में दिया तो उसकी आंखें छलक आईं। सबसे भावुक पल विदाई का था। जिस ढाई साल की मासूम को शक्ति सदन की महिला स्टाफ ने अपनी कोख से तो नहीं, पर अपनी ममता से पाला था, जिसकी पहले कदम और पहली बोली यहीं गूंजी थी, जब वह अपने माता-पिता के साथ जाने लगी तो सबकी आंखें नम हो गई। सभी बच्ची को बार-बार चूमकर, गले लगा रहे थे।

आज मेरी बेटी को उसका परिवार मिल गया

डॉ. मीरा शुक्ला ने प्रियांशी को सीने से लगा लिया, जैसे वे उसे छोड़ना नहीं चाह रही थीं। रूंधे स्वर में उन्होंने कहा-इतने सालों तक जिसे बच्ची की तरह पाला और मासूम को गोद में खिलाया, आज उसे विदा करते हुए दिल बैठा जा रहा है। ये दुख के नहीं, सुकून के आंसू हैं। आज मेरी बेटी को उसका सुहाग और मेरी पोती को उसके पिता का नाम मिल गया। इससे बड़ी खुशी एक मां के लिए क्या होगी? मेरा तो बस यही सपना है कि मेरी कोई भी बेटी बिन ब्याही, बिना सहारे के न रहे। ढोलक की थाप पर प्रियांशी और संदीप नए जीवन की ओर चल पड़े... पीछे रह गईं नम आंखें... और एक मां की दुआएं। इस तरह एक और बेटी अपने पूरे परिवार के साथ शक्ति सदन से विदा हो गई, पीछे छोड़ गई मीरा मां के ममता की अमिट कहानी।

तीन साल पहले शुरू हुई थी प्रेम कहानी

प्रियांशी-संदीप की प्रेम कहानी करीब 3 साल पहले शुरू हुई थी, तब प्रियांशी की उम्र महज 16 साल थी। इसी प्रेम संबंध के बीच दोनों ने एक साथ जीने-मरने की कसमें खाई और एक-दूजे के हो लिए। दोनों के प्रेम की पहचान जन्म ली बच्ची बनी। नाबालिग के मां बनने के बाद लड़की के स्वजन पुलिस के संपर्क में आए और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। संदीप को जेल जाना पड़ा, जहां उसने 4-5 महीने काटे। इसके बाद बने हालातों के कारण प्रियांशी बालिका गृह तक खिंची चली आई। यहां उसने पूरे तीन साल काटे। इन तीन सालों में किशोरी की सुध उसके माता-पिता व संबंधियों ने एक बार भी नहीं ली, पर प्रियांशी अपने फैसले पर अडिग रही। प्रेमी के जेल जाने के बाद भी उसे विश्वास था कि वह संदीप की होकर रहेगी। मामला अदालत पहुंचा और न्यायाधीश ने उससे पूछा तो उसने अनुरोध भरे स्वर में साफ कहा कि वह संदीप के बिना नहीं रह सकती। इस सच्चाई और मासूम बच्ची के भविष्य को देखकर न्यायालय ने मानवीय आधार पर संदीप को जमानत दे दी।

बच्ची के लिए तड़प देखकर पिघला दिल

संदीप ने जेल से बाहर आते ही शादी के लिए वकीलों का चक्कर लगाना शुरू किया, लेकिन हर जगह 90 दिन से ज्यादा का समय बताया गया। आखिर में थका-हारा संदीप सीधे शक्ति सदन पहुंचा, जहां प्रियांशी 18 साल की होकर बालिग होने के बाद रह रही थी। संदीप की आंखों में अपनी बच्ची के लिए तड़प देखकर डॉ. मीरा शुक्ला का ममता भरा दिल पिघल गया। उन्होंने तुरंत जिम्मेदारी उठाई। दोनों के बालिग होने, उनकी सहमति और सबसे बढ़कर उस ढाई साल की मासूम के उज्जवल भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सारी कानूनी और प्रशासनिक अड़चनों को खुद पूरा किया और विवाह का मार्ग प्रशस्त किया।

पत्नी को मायके से भेजने की जगह युवक को मिली धमकी

■ गर्भपात कराने की बात पर जहर सेवन करके दे दिया जान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के झिलमिली, भैयाथान थाना अंतर्गत ससुराल पक्ष की प्रताड़ना से तंग आकर एक युवक द्वारा जहर सेवन कर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक के पिता ने ससुराल पक्ष के चार लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को इसकी जानकारी दी है।

जानकारी के मुताबिक, भैयाथान थाना क्षेत्र के ग्राम खांडापारा निवासी आकाश जायसवाल पिता सुनील जायसवाल का विवाह अप्रैल 2026 में सूरजपुर जिला के रमकोला थाना अंतर्गत ग्राम बेदमी निवासी एक लड़की से हुआ था। दांपत्य जीवन के बाद नवविवाहिता करीब 4 माह की गर्भवती है और एक माह पहले अपने चाचा और भाई के साथ मायके चली गई थी। कुछ दिन बाद आकाश अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया, तो ससुराल वालों ने यह कहकर भेजने से मना कर दिया कि माता-पिता को भेजना तब भेजेंगे। पुत्र से इसकी जानकारी अपने पिता को दी। इसके बाद सुनील अपनी पत्नी के साथ बहू को लेने गए तो ससुराल पक्ष ने समाज की बैठक में बेटी से खाना बनवाने, घर का काम करवाने की बात कहते हुए उसे भेजने से इन्कार कर दिया। समाज के लोगों ने दोनों पक्षों को समझाकर सुलह कराया। शाम होने के कारण वे बहू को नहीं ले गए और अगले दिन लड़का आकर ले जाएगा कहकर वापस आ गए।

कॉन्फ्रेंस कॉल पर दी धमकी

सुनील जायसवाल ने बताया कि 08 अक्टूबर को शाम करीब 7.30 बजे वे खेत में थे तभी छोटे बेटे ने फोन करके बताया कि आकाश का तबीयत खराब है। घर पहुंचने पर देखा कि आकाश दरवाजे के पास उल्टी कर रहा था और पास में घास मारने की दवा का डिब्बा पड़ा था। पूछने पर आकाश ने बताया कि साला और उसकी पत्नी, चाचा ससुर और चाची सास ने कॉन्फ्रेंस कॉल करके गालीगलौज करते हुए पत्नि का मोबाइल देखने की बात को लेकर कई बातें कही। इनके द्वारा मोबाइल देखने पर गर्भस्थ बच्चे को गिरवा देने की धमकी दी गई। इसी बात से दु:खी होकर वह जहर सेवन कर लिया है।

10 दिन तक चले इलाज के बीच मौत

स्वजन उसे पहले भैयाथान शासकीय अस्पताल ले गए, यहां से सूरजपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। 3 दिन इलाज के बाद डॉक्टरों ने अंबिकापुर रेफर किया। 12 अक्टूबर को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, फिर बेहतर उपचार के आस में होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराए थे, यहां 18 अक्टूबर को शाम 7 बजे उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने अपने कथन में नामजद स्पष्ट किया है कि उसके पुत्र ने ऐसा कदम ससुराल पक्ष के लोगों से दुखी होकर उठाया है। बहरहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। क्षेत्रीय पुलिस मामले में अग्रिम जांच कार्रवाई करेगी।

स्कूल से घर आने में देर होने का कारण पूछने पर किशोरी की जहर सेवन, मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पिता की डांट से नाराज होकर एक किशोरी द्वारा जहर सेवन कर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया है। घटना लुण्ड्रा थाना क्षेत्र की है।

मृतका के पिता शिव सागर यादव निवासी ग्राम खालपोड़ी ने थाना लुण्ड्रा पुलिस को दिए गए कथन में बताया है कि 12 अक्टूबर को उनकी पुत्री सोना स्कूल से घर देर से आई, तो उन्होंने इसका कारण पूछा। इस पर लड़की ने कुछ नहीं बताया। शाम करीब 7 बजे परिवार के सभी लोग घर पर थे और सोना अपने कमरे में अकेले थी। कुछ देर बाद जब उसकी मां खाना खाने के लिए बुलाने कमरे में गई तो देखा कि वह बिस्तर में बेहोश पड़ी है और बिस्तर के नीचे उल्टी की थी। स्वजन कमरे में पहुंचे तो उल्टी से दवा जैसी महक आ रही थी। सभी उसे तुरंत शासकीय अस्पताल धौरपुर ले गए। यहां होश में आने पर पूछताछ में सोना ने बताया कि गुस्से में आकर वह घास मारने वाला दवा पी ली थी और डिब्बा भूसा घर में फेंक दी है। पिता का मानना है कि स्कूल से देर से आने पर डांट और पूछताछ से नाराज होकर वह ऐसा कदम उठाई होगी। स्वजन उसे धौरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले गए, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने रेफर कर दिया, इसके बाद 13 अक्टूबर की रात 2.45 बजे होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे। यहां 7 दिनों तक चले इलाज के बाद 19 अक्टूबर को डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय पुलिस मामले में मर्ग कायम कर ली है।

चार दिनों तक सजेगा खेलों का महाकुंभ, 5 संभाग के 595 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

सरगुजा में 23 अक्टूबर से शुरू होगी 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ की 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ शुक्रवार, 23 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे अंबिकापुर स्थित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के क्रीड़ांगन में होगा। चार दिवसीय यह प्रतियोगिता 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होगी। इसमें प्रदेश के पांचों संभागों से 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 595 खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा, खेल कौशल और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता अंतर्गत फुटबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल और सॉफ्ट टेनिस की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। फुटबॉल में 19 वर्ष आयु वर्ग की बालक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। बैडमिंटन में 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के मुकाबले होंगे। बास्केटबॉल में 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाएं अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। वहीं, सॉफ्ट टेनिस में 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के बीच मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचने वाले खिलाड़ी इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, खेल कौशल को निखारने और राज्य स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला स्तर पर व्यापक तैयारियां की जा रहीं हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि वे बेहतर वातावरण में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता से सरगुजा जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, विभिन्न संभागों से आने वाले खिलाड़ियों को आपसी संवाद, खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करेगी, बल्कि प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने और भविष्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अंबिकापुर में आयोजित होने वाला यह खेल आयोजन जिले के लिए गौरव का अवसर होगा।

चैतन्य देवियों की झांकी में पहुंचे कैबिनेट मंत्री

कहा-एक साथ नौ देवियों के दर्शन का सौभाग्य शहर के लिए आशीर्वाद है

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र नव विश्व भवन चोपड़ापारा द्वारा शारदीय नवरात्रि के अवसर पर आयोजित चैतन्य देवियों की भव्य झांकी के आठवें दिन कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल पहुंचे। दीप प्रज्वलन एवं आरती करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद एवं डॉ. नीलम भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि, वे लगातार यहां आते रहते हैं। ब्रह्माकुमारी बहनों के बीच आकर उन्हें शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है। पिछले 20 वर्षों से शहरवासियों को चैतन्य देवियों की झांकी के माध्यम से एक साथ नौ देवियों के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है, यह शहर के लिए आशीर्वाद है। उन्होंने इस आध्यात्मिक आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी बहनों एवं संचालकों का सहृदय आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा रोमा श्रीवास्तव, होमगार्ड कमांडेंट शिवकुमार कठौतिया, अधिवक्ता विनोद दुबे सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ट्विंकल एवं उनके ग्रुप द्वारा महिषासुर मर्दिनी नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई, जिसमें अरविंद गुप्ता ने महिषासुर की भूमिका निभाई। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा नशा मुक्ति प्रतिज्ञा कराई गई। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित चैतन्य देवियों की भव्य झांकी 20 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 6.30 बजे से रात 10.30 बजे तक श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुली रहेगी।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

बच्चों के पोषण, देखभाल और शिक्षा का एकीकृत केंद्र बन रहे 'लइका घर

धमतरी, एजेंसी। बच्चों का स्वस्थ बचपन, समुचित पोषण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। इसी सोच के साथ धमतरी जिले में संचालित 'लइका घर' बच्चों की देखभाल, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा को एक साथ जोडने् वाले महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। इनका उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और बाल-अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनके शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना है।

प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों की जरूरतों पर ध्यान देकर कुपोषण की समस्या को दूर करने, सीखने की क्षमता विकसित करने और शिक्षा से निरंतर जोड़े रखने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। नगरी विकासखंड के ग्राम सियादेही में लइका घर, आंगनबाड़ी केंद्र और प्राथमिक शाला एक ही परिसर में संचालित हैं।

महानवमी पर हवन-पूजन के साथ गूंजे मां के जयकारे

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शारदीय नवरात्र की महानवमी पर कोयलांचल समेत आसपास इलाके में भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। मां दुर्गा की आराधना, हवन-पूजन और कन्या पूजन के बीच देवी मंदिरों एवं दुर्गा पूजा पंडालों में धार्मिक उत्साह छाया रहा। नौ दिनों तक चले नवरात्र उत्सव के अंतिम पड़ाव पर श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। कोयलांचल के प्रमुख आस्था केंद्र आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर परिसर व स्वयं भू मां कालरात्रि मंदिर केनापारा समेत सभी दुर्गा पंडालों में महानवमी के अवसर पर सुबह विशाल हवन-पूजन का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर मां दुर्गा से सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन का आशीर्वाद मांगा। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा।बिश्रामपुर के मां समलेश्वरी महामाया मंदिर और केनापारा स्थित स्वयंभू मां कालरात्रि मंदिर सहित गौरीशंकर मंदिर प्रांगण, बंगाली क्लब कल्चरल एसोसिएशन, दक्षिणमुखी संकटमोचन हनुमान मंदिर बस स्टैंड तथा अंबेडकर चौक स्थित जय भवानी दुर्गा पूजा पंडाल में नवरात्र की रौनक दिखाई दी। कुमदा कॉलोनी, रामनगर, सिलफिली, लटोरी, महावीरपुर, अजबनगर, कंदरई, राजापुर, डेडरी और करवां सहित आसपास के क्षेत्रों में भी श्रद्धालुओं ने देवी आराधना कर पर्व मनाया। महानवमी पर कन्या पूजन की परंपरा के तहत श्रद्धालुओं ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया और भोजन कराकर आशीर्वाद प्राप्त किया। घरों और धार्मिक स्थलों पर हुए अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं ने नवरात्र व्रत की पूर्णता के साथ मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।नवरात्र के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी उत्सव की रौनक बढ़ाई। सोमवार की रात दक्षिणमुखी संकटमोचन हनुमान मंदिर प्रांगण में महानवमी की रात गरबा-डांडिया महोत्सव आयोजित किया गया। पारंपरिक नृत्य और देवी भक्ति के संगम ने नवरात्र उत्सव को यादगार बनाया। महानवमी के धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक आयोजनों के साथ कोयलांचल में शारदीय नवरात्र का उल्लासपूर्ण समापन हुआ। नौ दिनों तक देवी आराधना में डूबे श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की प्रार्थना की।

बस्तामुक्त विद्यालय के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह के बच्चों को शारदीय नवरात्रि पर्व पर शैक्षणिक भ्रमण के तहत विभिन्न दुर्गा पंडाल का भ्रमण कराया गया।

संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी ने बताया कि शासन के मंशानुरूप बच्चों को संस्कार एवं सांस्कृतिक विरासत को बताने की दृष्टि से बच्चों को नवरात्रि पर्व का महत्व बताते हुए नौ दिन में माता रानी के नौ रूपों में पूजन अर्चन की जानकारी उपलब्ध कराई गई है। सुरजपुर अग्रसेन स्टेडियम में बच्चों को रावण, कुंभकरण तथा मेघनाथ के पुतलों को निर्माण होते हुए दिखाया गया।

बच्चों ने निर्माण करने वाले कारिगरों से बनाने के तरीकों पर चर्चा किया गया। संस्था प्रमुख ने बताया कि बच्चों को मां शेरावाली दुर्गा पूजा समिति, मां भवानी पूजा समिति, नवयुवक दुर्गा पूजा समिति पंडाल में माता रानी की झांकी का दर्शन कराने उपरांत प्रसाद खिलाकर जिला चिकित्सालय सूरजपुर, संयुक्त जिला कार्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जन सेवा केंद्र, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय, जनपद पंचायत, अनुविभागीय दंडाधिकारी राजस्व सूरजपुर, तहसील कार्यालय सूरजपुर, मां गायत्री मंदिर तथा गौशाला सूरजपुर का भ्रमण करा जानकारी दी गई।

स्वदेशी मेले में 223 स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

जगदलपुर, एजेंसी। लालबाग मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला इन दिनों लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मेले में लगाए गए 223 स्टॉलों में देश के विभिन्न राज्यों के स्वदेशी उत्पादों की विविधता देखने को मिल रही है। रंग-बिरंगे सामानों, पारंपरिक हस्तशिल्प, घरेलू उपयोग की वस्तुओं, कपड़ों और खान-पान के उत्पादों से पूरा मेला परिसर गुलजार है। स्वदेशी उत्पादों की यह विविधता स्थानीय नागरिकों को एक ही स्थान पर देश के अलग-अलग हिस्सों की कला, संस्कृति और उद्यमिता से रूबरू करा रही है। मेले में सहारनपुर के लकड़ी से बने आकर्षक उत्पाद विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। लकड़ी पर की गई बारीक नक्काशी और पारंपरिक कारीगरी से तैयार सजावटी एवं घरेलू उपयोग की वस्तुएं लोगों को खूब पसंद आ रही हैं।

अन्य प्रांत की मिलावटी मदिरा पर आबकारी उड़नदस्ते की कार्रवाई, 11.6 बल्क लीटर देशी मदिरा जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन और जिला आबकारी अधिकारी श्री शशांक शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में अन्य प्रांत की मिलावटी मदिरा के विरुद्ध अभियान जारी है। इसी क्रम में जिला स्तरीय आबकारी उड़नदस्ते ने चांदो थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरियाडीह में कार्रवाई की। टीम ने 29 वर्षीय आरोपी अरविन्द कुमार, पिता रामचंद्र प्रसाद, के कब्जे से झारखंड राज्य में विक्रय हेतु निर्मित 11.6 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जब्त किया।

मौके से मिलावट के लिए धोकर रखी गई 51 खाली शीशियाँ और शीशियों को सील पैक करने के लिए 560 ढक्कन भी बरामद किए गए। इससे स्पष्ट है कि आरोपी दूसरे राज्य की मदिरा में मिलावट कर उसे दोबारा पैक करने की तैयारी में था। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2), 36 एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की जा रही है।

प्रकरण की विवेचना परिवीक्षाधीन आबकारी उपनिरीक्षक श्री मनीष कुमार चंद्रा कर रहे हैं। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्री चन्द्रदीप भगत और श्री अभिषेक राजवाड़े, मुख्य आरक्षक श्री धर्मजीत राम शर्मा, आरक्षक श्री सचिन यादव और श्री प्रभात गुप्ता, महिला नगर सैनिक कलिस्ता एक्का और हेमंती तिर्की तथा वाहन चालक श्री दिनेश यादव शामिल रहे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध और मिलावटी मदिरा के निर्माण, परिवहन और विक्रय पर जिले में लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पुलिस स्मृति दिवस का भव्य आयोजन 21 को

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कनकपुर सिलफिली स्थित दसवीं वाहिनी छग शस्त्र बल प्रांगण में पुलिस स्मृति दिवस का भव्य आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर बुधवार 21 अक्टूबर को आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के मुख्य आतिथ्य में कर्तव्य की वेदी पर शहीद जवानों को शहीद स्मारक पर रीथ/पुष्पांजली अर्पित कर परेड द्वारा सलामी दी जाएगी। कार्यक्रम प्रात: 9 बजे आयोजित किया गया है।

सुरक्षित सड़कें, नशामुक्त जिला- कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा और एनकोर्ड बैठक में दिए सख्त निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं नार्को समन्वय केंद्र (एनकोर्ड) की बैठक लेकर सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने तथा नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने राष्ट्रीय एवं राजकीय मार्गों से जुड़ने वाले टी-जंक्शनों पर स्पीड ब्रेकर लगाने और स्वीकृत कार्यों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से टी-जंक्शन के चिन्हित स्थलों की जानकारी ली, जिस पर बरियों में टी-जंक्शन निर्माण की जानकारी दी गई, वहीं तातापानी में राष्ट्रीय राजमार्ग के बीटी कार्य के बाद टी-जंक्शन बनाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं को नगण्य करने के लिए सड़कों पर रिफ्लेक्टर और सांकेतिक बोर्ड लगाना आवश्यक है। उन्होंने मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण हटाने, आवारा व घुमंतू पशुओं को सड़क से दूर रखने के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रबंधन करने के निर्देश दिए। साथ ही ओवरस्पीड

व ओवरलोड वाहनों पर लगाम लगाने और प्रेशर हॉर्न, बीमा, फिटनेस व परमिट के बिना चल रहे वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।

एनकोर्ड की समीक्षा में कलेक्टर ने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि जिन मेडिकल स्टोर्स में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, उन्हें नोटिस जारी किया जाए और निर्धारित समय में पालन न होने पर दुकान सील करने या लाइसेंस अस्थायी रूप से निलंबित करने की कार्रवाई की जाए। मेडिकल स्टोर्स में कार्यरत कर्मचारियों का चरित्र सत्यापन व पुलिस वेरिफिकेशन कराने तथा कोटपा एक्ट के तहत पान, किराना एवं अन्य संबंधित दुकानों पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। छिपकर गांजा व अफीम की खेती करने वालों पर शिकंजा कसने के लिए कृषि, वन, पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर विशेष रूप से बाड़ी में सर्वे और औचक निरीक्षण करने को की बात कही ।

कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के उप संचालक को नशा मुक्ति अभियान चलाने तथा पीएम जनमन योजना के तहत चिन्हित गांवों में नुक्कड़ नाटक व अन्य माध्यमों से नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देने के निर्देश दिए, ताकि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सके।

मोरन नदी पर 5.91 करोड़ रुपये से बनेगा उच्चस्तरीय पुल, नेताम ने किया भूमिपूजन

कपिलदेवपुर-बसेरा मार्ग पर मोरन नदी पुल का भूमिपूजन, 15 से 20 हजार ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन तथा पशुधन विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज नवरात्रि की महाअष्टमी पर ग्राम कपिलदेवपुर में मोरन नदी पर बनने वाले उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का विधिवत भूमिपूजन किया।

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग, अम्बिकापुर यह पुल कपिलदेवपुर-बसेरा मार्ग पर बनाएगा। इसके लिए 591.04 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। पुल बनने से चलगली क्षेत्र के 12 से 15 गांवों के 15 से 20 हजार ग्रामीणों को जिला मुख्यालय बलरामपुर पहुंचने के लिए लगभग 15 किलोमीटर कम दूरी तय करनी होगी।

144 मीटर लंबे और 8.40 मीटर चौड़े इस पुल में 24-24 मीटर के 6 स्पैन होंगे। संरचना को मजबूत बनाने के लिए पाइल फाउंडेशन तकनीक अपनाई जाएगी। पुल के दोनों छोरों पर कुल 271 मीटर पहुंच मार्ग भी बनेगा।

समारोह में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री नेताम ने कहा कि महाअष्टमी के शुभ अवसर पर क्षेत्रवासियों को यह सौगात मिली है। पुल न होने से ग्रामीणों को लंबे समय से कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। व पुल बनने के बाद आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा और रोजगार ग्रामीणों की सहज पहुंच में होंगे। उन्होंने बताया कि चलगली से रामानुजगंज सड़क को स्वीकृति मिल चुकी है और निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही इसका निर्माण शुरू होगा। चलगली को बलरामपुर और वाड्रफनगर से बेहतर सड़क मार्ग से जोड़ने की कार्ययोजना पर भी जनप्रतिनिधियों के समन्वय से काम हो रहा है।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके तहत गांवों में सीसी रोड और पंचायतों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। जिन विद्यालयों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, वहां प्राथमिकता से इनका निर्माण किया जा रहा है और मुक्तिधाम निर्माण की योजना भी तैयार की गई है। महतारी वंदन योजना के तहत माताओं-बहनों के खातों में हर माह 1,000 रुपये अंतरित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने किसानों से आधुनिक और वैज्ञानिक खेती अपनाने तथा दुग्ध उत्पादन और पशुपालन को व्यावसायिक रूप देकर आय बढ़ाने का आह्वान किया। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से सब्जी उत्पादन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और श्ड्रोन दीदीश् जैसी पहलों से आत्मनिर्भर बन रही महिलाओं की उन्होंने सराहना की।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणजन, व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गणेशपुर आयुष स्वास्थ्य शिविर में 446 मरीजों का किया गया नि:शुल्क उपचार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष विभाग द्वारा लगातार स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में संचालनालय आयुष के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिला आयुष अधिकारी डॉ. अबुल फैज के नेतृत्व में विकासखंड रामानुजनगर अंतर्गत ग्राम गणेशपुर के साप्ताहिक बाजार में आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को उनके गांव के समीप ही नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में कुल 446 मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में पहुंचकर आयुष चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। विशेष रूप से साप्ताहिक बाजार में शिविर आयोजित किए जाने से आसपास के गांवों से बाजार पहुंचे ग्रामीणों को भी स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार की सुविधा प्राप्त हुई।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. अबुल फैज के नेतृत्व में विभागीय अमले द्वारा शिविर का सुव्यवस्थित संचालन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में जनपद सदस्य रोहित सिंह, ग्राम सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

केशकाल घाट में दर्दनाक सड़क हादसा, दो युवकों की मौके पर मौत

कोंडागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के केशकाल घाट में मंदिर के पास स्थित मोड़ पर हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक धमतरी जिले के चनागांव के निवासी थे और दोपहिया वाहन से जगदलपुर की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान संदीप कुंजाम (24) और पुटमि मटकाम (21) के रूप में हुई है। दोनों केरेगांव थाना क्षेत्र के ग्राम चनागांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि घाट के नीचे मंदिर के पास मोड़ पर उनका दोपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रायपुर की ओर जा रहा एक माजदा वाहन पत्थर से टकराया था। इसी दौरान दोपहिया वाहन सवार दोनों युवक भी दुर्घटना की चपेट में आ गए। हालांकि, घटनाक्रम को लेकर अलग-अलग जानकारी सामने आई है। माजदा वाहन और दोपहिया वाहन के बीच टक्कर कैसे हुई तथा हादसे का वास्तविक कारण क्या था, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें माजदा वाहन की क्या भूमिका रही, इसकी पड़ताल की जा रही है।

रोमांचक मुकाबलों में बलसेड़ी और परसोड़ी ने मारी बाजी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर।जिले में चल रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 का रोमांच चरम पर है। सोमवार को प्रतियोगिता के सेकंड राउंड में दो बेहद रोमांचक मैच खेले गए, जिसमें पहला मैच ट्राइबल टाइगर और बलसेड़ी तथा जशपुर और परसोड़ी के बीच खेला गया।दोनों ही मुकाबले मे दर्शकों को कांटे की टक्कर देखने को मिली।फुटबॉल प्रेमियों की भारी भीड़ मैदान में मौजूद रही और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

सेकंड राउंड का पहला मुकाबला ट्राइबल टाइगर और बलसेड़ी के बीच खेला गया।मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने शानदार तालमेल और पासिंग गेम का प्रदर्शन किया।ट्राइबल टाइगर और बलसेड़ी दोनों ने एक-एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने जीत के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया, कई मौके बनाए लेकिन डिफेंस की मजबूती के कारण कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 रहने के बाद मैच का निर्णय टाईब्रेकर से किया गया।टाईब्रेकर में बलसेड़ी के खिलाड़ियों ने बेहतर संयम दिखाया और 3-2 से मैच जीतकर अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। ट्राइबल टाइगर की टीम बहादुरी से लड़कर बाहर हुई।

दूसरा मुकाबला जशपुर और परसोड़ी के बीच था। इस मैच में परसोड़ी की टीम शुरू से ही हावी रही। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन परसोड़ी ने शानदार मूव बनाते हुए एक गोल कर 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में जशपुर की टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन परसोड़ी का डिफेंस चट्टान की तरह डटा रहा। मैच के अंतिम क्षणों में परसोड़ी ने एक और गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया और जीत पर

मुहर लगा दी।मैचों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में निर्णायक की भूमिका ललित किशोर, मंगल, नीलभूषण और रामबहादुर लाम्बा ने निभाई। इस दौरान फुटबॉल संघ के कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद, विनोद पैकरा सहित कई खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

आयोजन समिति ने बताया की 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व के कारण अवकाश रहेगा। इसके बाद 21 अक्टूबर को लीग राउंड के मुकाबले खेले जाएंगे। जिसमें पहला मैच रेलवे करंजी विरुद्ध मेंड्राखुर्द तथा दूसरा मैच तालपारा विरुद्ध एमएफसी कपसरा के बीच खेला जायेगा। दोनों ही मैचों में दर्शकों को फिर से रोमांचक फुटबॉल देखने की उम्मीद है।

नवरात्रि मेले में गुब्बारे बेचने आया मासूम, कनहर नदी में डूबने से मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर।जिले के रामानुजगंज से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है।नवरात्रि मेले में अपने परिवार के साथ गुब्बारे बेचने आए 12 वर्षीय मासूम की कनहर नदी में डूबने से मौत हो गई।बताया जा रहा है कि बालक अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था, तभी गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद शव को नदी से बाहर निकाला गया।

झारखंड से परिवार के साथ आया था

जानकारी के अनुसार मृतक बालक झारखंड के बंधुवा गांव का रहने वाला था। वह अपने परिजनों के साथ रामानुजगंज में लगे नवरात्रि मेले में गुब्बारे बेचने आया था। परिवार मेले में गुब्बारे बेचकर अपनी आजीविका चला रहा था।

दोस्तों के साथ नहाते समय हुआ हादसा

बालक अपने कुछ दोस्तों के साथ कनहर नदी की ओर गया। सभी बच्चे नदी में नहाने के लिए उतरे थे। नहाते-नहाते बालक अचानक नदी के गहरे हिस्से में चला गया। पानी की गहराई अधिक होने से वह डूब गया। साथ नहा रहे बच्चों ने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

दो घंटे बाद मिला शव, परिवार में मातम

घटना की सूचना मिलते ही रामानुजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से खोज अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मासूम का शव बरामद किया गया।शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मेले की खुशियां मातम में बदल गईं।जिस बेटे को लेकर परिवार रोजी-रोटी के लिए मेले में आया था, उसकी अचानक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

लुण्ड्रा की साहिदा बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल, डेढ़ हजार से 10 हजार तक पहुंची आय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर।सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के ग्राम बतवाही की साहिदा बेगम ने साबित कर दिया है कि हौसले बुलंद हों तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। शारीरिक चुनौती और आर्थिक तंगी के बावजूद हार न मानते हुए आज वे सफल बैंक सखी और डिजिटल उद्यमी बन गई हैं। कभी दूसरे के सीएससी सेंटर में मात्र 1500 रुपये महीने पर काम करने वाली साहिदा आज स्वयं का अटल डिजिटल सुविधा केंद्र चलाकर 10 हजार रुपये से अधिक मासिक आय अर्जित कर रही हैं।साहिदा बेगम के एक पैर में समस्या है, चलने के लिए डंडे का सहारा लेना पड़ता है। एकल

अभिभावक होने के साथ उन पर अपनी वृद्ध मां की देखभाल की भी जिम्मेदारी है।पहले सीमित वेतन में घर चलाना मुश्किल था, इसलिए उन्होंने खुद का रोजगार शुरू करने की ठानी। सीएससी का काम सीखने के बाद उन्होंने ऋण लेकर लैपटॉप खरीदा। साल 2022 में सीएससी आईडी के लिए आवेदन किया और धीरे-धीरे प्रिंटर, फोटोकॉपी मशीन की व्यवस्था कर सेंटर को बड़ा किया। आज साहिदा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) हैं और हर महीने करीब 150 बैंकिंग लेन-देन करती हैं।अटल डिजिटल सुविधा केंद्र की वीएलई के रूप में वे मोबाइल रिचार्ज, बिजली बिल भुगतान, पैन कार्ड, एग्रीस्टैक और अन्य ऑनलाइन सेवाएं ग्रामीणों को गांव में ही उपलब्ध करा रही हैं।उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 1600 से अधिक हितग्राहियों का ई-केवाईसी कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिससे ग्रामीणों को योजना का लाभ लेने के लिए भटकना नहीं पड़ रहा। लगातार मेहनत से आज उन्होंने किराए की दुकान में अपना सीएससी सेंटर स्थापित किया है, जहां दो लैपटॉप सहित सभी जरूरी उपकरण हैं। आय बढ़ने से अब परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं।साहिदा बेगम की कहानी महिला सशक्तिकरण और स्वरोजगार की सच्ची प्रेरणा है। उनकी सफलता बताती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आत्मनिर्भर बना जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर विधायक रायमुनि भगत का जाना हालचाल, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित नारायणा एमएमआई अस्पताल पहुंचकर जशपुर विधायक रायमुनि भगत से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय को जैसे ही विधायक रायमुनि भगत के अस्वस्थ होने और अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिली, वे सभी कार्यक्रमों के बीच समय निकालकर सीधे अस्पताल पहुंचे।

डॉक्टरों से ली उपचार की जानकारी

अस्पताल में मुख्यमंत्री ने विधायक

रायमुनि भगत से आत्मीय मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम पूछा।उन्होंने उपचार कर रहे डॉक्टरों की टीम से विधायक के स्वास्थ्य की वर्तमान स्थिति, चल रहे इलाज और रिकवरी को लेकर विस्तार से चर्चा की। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है और वे चिकित्सकों की निगरानी में हैं।

शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

मुख्यमंत्री साय ने विधायक रायमुनि भगत के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और कहा कि ईश्वर से उनके बेहतर स्वास्थ्य लाभ और लंबी उम्र की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायक के परिजनों से भी चर्चा की और उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। जशपुर विधायक रायमुनि भगत के अस्वस्थ होने की खबर के बाद क्षेत्र के कार्यकताओं और समर्थकों में चिंता है, वहीं मुख्यमंत्री के अस्पताल पहुंचने पर सभी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

अशोक कुमार गुप्ता बने एनआईटी रायपुर के नए कुलसचिव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में अशोक कुमार गुप्ता ने नए कुलसचिव (रजिस्ट्रार) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने 16 अक्टूबर से पदभार ग्रहण किया है। श्री गुप्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई से प्रतिनियुक्ति पर एनआईटी रायपुर में पदस्थ हुए हैं।कुलसचिव के रूप में वे संस्थान के सभी प्रशासनिक कार्यों और कुलसचिव कार्यालय की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। श्री गुप्ता को शैक्षणिक संस्थानों के प्रशासन के क्षेत्र में 20 वर्षों से

अधिक का अनुभव है। दिसंबर 2017 से आईआईटी भिलाई में अपर कुलसचिव एवं उप कुलसचिव के पदों पर कार्यरत रहे। जुलाई 2010 से जून 2017 तक भारतीय खनि विद्यापीठ (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद में सहायक कुलसचिव रहे। नवंबर 2004 से जून 2010 तक भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान में सेवाएं दीं। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्य करने के दौरान उन्होंने संस्थागत प्रशासन और शैक्षणिक व्यवस्था का व्यापक अनुभव अर्जित किया है। उनके एनआईटी रायपुर में आने से संस्थान की प्रशासनिक गतिविधियों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

फर्जी आंगनबाड़ी भर्ती मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक रिमांड पर भेजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। शंकरगढ़ क्षेत्र में फर्जी अंकसूची के आधार पर आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी विष्णु यादव (33) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को 18 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला

एकीकृत बाल विकास परियोजना कुसमी की ओर से 23 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया था कि विकासखंड शंकरगढ़ में आंगनबाड़ी सहायिका के पदों पर फर्जी अंकसूची के आधार पर नियुक्तियां की गई हैं।इस शिकायत पर थाना शंकरगढ़ में अपराध क्रमांक 115/2025 के तहत

भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया। जांच में फर्जी अंकसूची और अन्य दस्तावेज तैयार कर नियुक्ति प्रक्रिया में इस्तेमाल करने तथा आपराधिक षड्यंत्र के तथ्य सामने आए। इस मामले में पुलिस पहले ही 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

बैरयपुर का रहने वाला है आरोपी

फरार आरोपी की पहचान विष्णु यादव, पिता प्रेमशंकर यादव, निवासी बैरयपुर, थाना चलगली, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के रूप में हुई है।वह घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था।पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इस चर्चित भर्ती घोटाले में सभी फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई है। पुलिस का कहना है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति के मामले में आगे भी जांच जारी रहेगी।

ठाढ़पाथर में भव्य श्रीराम कथा का आयोजन

हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे, काशी के कथावाचक कर रहे मंत्रमुग्ध

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत ठाढ़पाथर में इन दिनों भक्ति की बयार बह रही है। दुर्गा पूजा समिति एवं उपसरपंच नीरज पाठक और ग्रामीणों के सहयोग से यहां भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का शुभारंभ 11 अक्टूबर से हुआ है।प्रतिदिन हजारों की संख्या में दूर-दूर से श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहे हैं।पंडाल में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। इस दिव्य श्रीराम कथा का वाचन काशी-वाराणसी से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पंडित भृगुभूषण ओझा महाराज द्वारा किया जा रहा है। महाराज जी अपनी मधुर वाणी और ओजस्वी शैली से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं।मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र, आदर्शों और लीलाओं का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं।

क्षेत्र में उत्साह, उपसरपंच की सराहना

क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर श्रीराम कथा का आयोजन पहली बार होने से ग्रामीणों में भारी उत्साह है।

आयोजन को सफल बनाने में दुर्गा पूजा समिति के साथ-साथ समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं। इतने भव्य आयोजन के लिए क्षेत्रवासियों द्वारा उपसरपंच नीरज पाठक की कोटि-कोटि सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि ऐसे धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में आपसी भाईचारा और संस्कारों को बढ़ावा मिलता है।

रिटायर्ड एसईसीएल कर्मचारी के सूने बंगले से चोरों ने उडाये 6 लाख के जेवर गायब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में चोरों के हौसले बुलंद हैं। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र की मानिकपुर चौकी अंतर्गत एसईसीएल कॉलोनी में चोरों ने एक सूने क्वार्टर को निशाना बनाते हुए लाखों के जेवर पर हाथ साफ कर दिया।एसईसीएल के रिटायर्ड कर्मचारी के बंद बंगले का ताला तोड़कर अज्ञात चोर 4 से 6 लाख रुपए के सोने के जेवर लेकर फरार हो गए।घटना 18 अक्टूबर की रात की है।

चार महीने से बंद था बंगला

जानकारी के अनुसार एसईसीएल कॉलोनी स्थित बंगला नंबर डी-03 प्रतिमा बिन्द का है। उनका परिवार करीब चार महीने पहले बिलासपुर शिफ्ट हो गया था। बंगले की देखरेख की जिम्मेदारी रामनगर निवासी एक महिला को सौंपी गई थी। यह महिला एसईसीएल कॉलोनी के

बंगला नंबर डी-05 और डी-03 में झाडू-पोंछा का काम करती है। महिला का बेटा रूपेन्द्र भारती पिछले 11 दिनों से डी-03 क्वार्टर में रात में सो रहा था, लेकिन 18 अक्टूबर की रात वह वहां सोने नहीं गया।

सुबह टूटा मिला ताला

महिला ने बताया कि 18 अक्टूबर की रात करीब 8 बजे वह क्वार्टर पहुंची थी। पौधों में पानी देकर, लाइट जलाकर वह घर लौट गई। तब तक सब सामान्य था। अगले दिन सुबह 10:30 बजे जब वह दोबारा पहुंची तो मुख्य दरवाजे की कुंडी और ताला टूटा मिला। अंदर दोनों बेडरूम के ताले टूटे थे, अलमारी खुली पड़ी थी। कपड़े और गहनों के खाली पैकेट जमीन पर बिखरे थे। महिला ने वीडियो कॉल कर मकान मालिक को सूचना दी।

पहले 3 लाख, अब 6 लाख का अनुमान

शुरूआत में 2 से 3 लाख की चोरी का अनुमान था। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी के अनुसार मकान मालिक के कोरबा लौटने और सामान की जांच के बाद चोरी गए गहनों की कीमत 4 से 6 लाख रुपए आंकी गई है।मानिकपुर चौकी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और क्वार्टर में आने-जाने वालों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल आरोपी फरार हैं।

एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब ये भी कहा जाने लगा है कि एसआईआर व ज्ञानेश कुमार तो केवल बहाना है, असली मकसद सत्ता हथियाना है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। दूसरी ओर, इस विरोध के बहाने भौंडा प्रदर्शन कर खुद को चर्चा में लाने की युवाओं की कोशिश भी खतरनाक रूप धारण कर रही है। प्रदर्शन के बीच में ही कुछ स्वयंभू पत्रकार भी अपनी रोटियां सेंकते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सिर्फ एक मोबाइल और माइक लेकर आप पत्रकार बन सकते हैं? प्रशासन के लिए ऐसे लोगों को पहचानना कठिन होता है। दिल्ली में जंतर-मंतर पर कई लोगों ने खुद को मीडिया कर्मी बताकर बदसलूकी के आरोप लगाए हैं। अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। कुल मिलाकर, सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एसआईआर की आड़ में सत्ता की सियासत

विश्लेषण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति में कई बार किसी आंदोलन की शुरुआत एक मुद्दे से होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसका दायरा बढ़ने लगता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहा विवाद भी अब इसी मोड़ पर दिखाई दे रहा है। बीते दिनों वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उन्होंने इसे लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार भी बताया। उनके इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया।

एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है। लेकिन इस प्रक्रिया का दूसरा पहलू भी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से हट जाता है, तो वह अपने सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित हो सकता है।

इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। किसी का नाम हटाने से पहले उचित जांच होनी चाहिए और प्रभावित व्यक्ति को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर की प्रक्रिया में गड़बड़ियां हुई हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। हालांकि, आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग अपने फैसलों और कामकाज को लेकर जवाब दे। वह मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है।

वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने यह कहकर राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया कि मौजूदा आंदोलन का मकसद केवल मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई या उनके इस्तीफे तक सीमित नहीं है। यह लड़ाई अब 'रिजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन की लड़ाई है। उनके इस बयान के बाद बीजेपी को विपक्ष पर हमला करने का एक नया मुद्दा मिल गया। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को दुरुस्त करना और उसमें मौजूद गलतियों को दूर करना है। सिद्धांत रूप में किसी भी लोकतंत्र में मतदाता सूची का सही होना जरूरी है। इसमें ऐसे लोगों के नाम होने चाहिए जो मतदान के पात्र हैं। जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता नहीं रह गए हैं, उनके नामों की समीक्षा भी जरूरी है।

सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी नारों में शामिल

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के लिए भी ठोस आधार होना चाहिए। खैर, अब यह कहना कठिन है कि आंदोलन केवल ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक सीमित है। सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य भी इसके प्रमुख राजनीतिक नारों में शामिल हो चुका है। एक बात साफ है कि किसी लोकतंत्र में सत्ता बदलने का सबसे मजबूत और स्वीकार्य रास्ता चुनाव ही है। विपक्ष को लगता है कि मौजूदा सरकार को हटाना जरूरी है, तो उसे जनता के बीच जाना चाहिए, अपने तर्क रखने चाहिए और समर्थन जुटाना चाहिए। सरकार को भी अपने कामकाज और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देना चाहिए।

अब इस विवाद को केवल प्रशांत भूषण के बयान या ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह चुनाव आयोग पर भरोसे, मतदाता के अधिकार और विपक्ष की राजनीतिक रणनीति-तीनों की परीक्षा है। एसआईआर और ज्ञानेश कुमार को लेकर चल रहे विवाद के पीछे सत्ता परिवर्तन का लक्ष्य मौजूद है, यह बात साफ है। लेकिन सत्ता परिवर्तन की इच्छा को अपने आप में गलत ठहराना भी लोकतांत्रिक सोच नहीं होगी। पर सत्ता परिवर्तन तो चुनाव के माध्यम से ही होगा। ये बात विपक्ष को समझनी होगी। लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई आखिरकार जनता की अदालत में ही तय होनी चाहिए।

राजनीतिक लड़ाई की परत

इस विवाद को सीधे सरकार बदलने की लड़ाई बताया जाने लगता है, तो यह समझना जरूरी हो जाता है कि आंदोलन का राजनीतिक लक्ष्य कितना व्यापक हो चुका है। प्रशांत भूषण के बयान का राजनीतिक महत्व इसी बात में है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन की मांग को छिपाने के बजाय सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। उनके मुताबिक, लोकतंत्र में सरकार बदलने की मांग करना कोई अपराध नहीं है। इस तर्क में अपने आप में कुछ गलत नहीं है।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव के जरिए सरकार बदलने की मांग करना और किसी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन चलाना अपने आप में असंवैधानिक नहीं है। असली सवाल आंदोलन के तरीकों, उसके तथ्यों और उसकी मांगों की वैधता का है। प्रशांत भूषण के बयान से इतना जरूर स्पष्ट होता है कि आंदोलन के कुछ प्रमुख चेहरे अब इसे केवल चुनाव आयोग के कामकाज से जुड़ा मामला नहीं मान रहे। वे इसे केंद्र की सरकार के खिलाफ व्यापक राजनीतिक संघर्ष के रूप में देख रहे हैं। विपक्ष की रणनीति को समझने में मदद जरूर मिलती है।

आरोपों की जांच होनी चाहिए

मतदाता सूची का विवाद अब राजनीतिक सत्ता और सरकार की वैधता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा बन गया है। चुनाव आयोग के हर फैसले को राजनीतिक साजिश बताना भी उचित नहीं है। किसी निर्णय से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी और संवैधानिक रास्ते खुले हैं। आरोपों की जांच होनी चाहिए और जहां गलती साबित हो, वहां सुधार भी होना चाहिए। ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का अभियान इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। क्या शिकायतें दस्तावेजों और तथ्यों से साबित होती हैं? क्या संबंधित अधिकारियों ने नियमों का पालन किया? क्या प्रभावित मतदाताओं को न्याय पाने का पर्याप्त अवसर मिला? इन सवालों के जवाब किसी राजनीतिक नारे से नहीं, बल्कि स्वतंत्र जांच और न्यायिक समीक्षा से मिलने चाहिए। गौरतलब है कि 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों को चुनौती देने वाली विपक्षी नेताओं की याचिका पर चुनाव आयोग और संबंधित पदाधिकारियों से जवाब मांगा। यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अदालत में याचिका स्वीकार किए जाने या नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि आरोप साबित हो गए हैं।

रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती

इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि विवाद के कानूनी पहलुओं की जांच का रास्ता खुला है। विपक्ष के सामने अब अपनी रणनीति स्पष्ट करने की चुनौती है। यदि उसका मुख्य आरोप मतदाता सूची में गड़बड़ियों का है, तो उसे ठोस उदाहरण, दस्तावेज और प्रभावित मतदाताओं के प्रमाण सामने रखने चाहिए। यदि वह सरकार बदलना चाहता है, तो यह उसका राजनीतिक अधिकार है। लेकिन इन दोनों बातों को एक ही मान लेना उचित नहीं होगा। किसी सरकार का विरोध करना और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी की जांच मांगना अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं। भाजपा को भी केवल 'सत्ता हथियाने' का आरोप लगाकर मूल सवालों से बचना नहीं चाहिए। यदि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह सही है, तो सरकार और चुनाव आयोग को तथ्यों के आधार पर अपना पक्ष रखना चाहिए। जवाब देने से ही संस्थाओं पर भरोसा मजबूत होगा। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता को केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर अपना फैसला करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप गंभीर है।

लोकतंत्र का मंच या लाइक्स पाने का प्रपंच

प्रदर्शन

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

आज का दौर सोशल मीडिया का है, जहां 'अटेंशन इकॉनमी' यानी आपका ध्यान खींचने की अर्थव्यवस्था का बोलबाला है। इस डिजिटल युग में यह कहावत आम है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। हाल के दिनों में, एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के विरोध की आड़ में देश के विभिन्न हिस्सों में जिस प्रकार के भौंडे, उग्र और सनसनीखेज प्रदर्शन देखने को मिले हैं, उन्होंने चिंतकों, समाजशास्त्रियों और नीति-निर्माताओं को गहरी चिंता में डाल दिया है। जब युवा पीढ़ी अपने किसी असंतोष को व्यक्त करने के लिए शालीन लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर तमाशेबाजी, उपद्रव और रातों-रात सोशल मीडिया पर 'वायरल' होने की सनक का सहारा लेती है, तो यह न केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बल्कि खुद उन युवाओं और देश के भविष्य के लिए एक गंभीर खतरा बन जाता है। आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है। पारंपरिक रूप से विरोध प्रदर्शन वैचारिक स्पष्टता, लंबे संघर्ष, और लोकतांत्रिक बहसों पर आधारित होते थे। इसके विपरीत, आज के भौंडे प्रदर्शनों का मुख्य उद्देश्य वैचारिक विरोध जताना नहीं बल्कि किसी भी तरह कैमरे की नजर में आना और सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म में ट्रेंड करना होता है। युवा तत्काल संतुष्टि यानी इंस्टेंट ग्रेटिफिकेशन के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। जब प्रदर्शनों में शालीनता के स्थान पर अमर्यादित नारेबाजी, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और सोशल मीडिया पर सनसनीखेज रील्स बनाने को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विरोध का वास्तविक मुद्दा पीछे छूट चुका है और व्यक्तिगत ख्याति या अराजकता का आनंद आगे आ गया है। एल्गोरिद्म का मनोविज्ञान यह है कि यहां 'सनसनी' और 'उग्रता' ही बिकती है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब (शॉर्ट्स), एक्स (ट्विटर) और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिद्म का मुख्य उद्देश्य यूजर को अधिक से अधिक समय तक ऐप पर रोके रखना है ताकि विज्ञापन से राजस्व कमाया जा सके। डेटा विज्ञान यह साबित करता है कि मानव मस्तिष्क तटस्थ या न्यूट्रल कंटेंट की तुलना में अत्यधिक उत्तेजक, क्रोधित करने वाली या सनसनीखेज सामग्री पर तेजी से प्रतिक्रिया देता है। जब कोई युवा किसी सामान्य, शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तस्वीर डालता है तो उसे सीमित 'व्यूज' मिलते हैं। यदि वह कोई उग्र नारेबाजी, पुलिस के साथ तीखी नोकझोंक, या कोई भौंडा स्टंट करता हुआ वीडियो पोस्ट करता है, तो एल्गोरिद्म उसे तेजी से 'बूस्ट' कर देता है। रातों-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं, जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी 'वायरलिटी' की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच 'इंस्टेंट फेम' और 'क्लाउट चेसिंग' यानी हर कीमत पर ऑनलाइन चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को 'हीरो' या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है; उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिद्म उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड़काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है। भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वागत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता का रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। उग्र प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भीड़ का हिस्सा बनकर ऐसा कुछ कर बैठते हैं जो वे सामान्य स्थिति में कभी नहीं करते। यह प्रवृत्ति समाज में कानून के शासन को कमजोर करती है। आज की युवा पीढ़ी में 'शॉर्टकट' की मानसिकता घर कर गई है। विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले युवा अकसर इस बात से अनजान होते हैं कि वे अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे केवल युवा अकेले जिम्मेदार नहीं है बल्कि समकालीन समाज और मीडिया का परिवेश भी समान रूप से उत्तरदायी है। कई बार मीडिया उपद्रवी तत्वों को जरूरत से ज्यादा सनसनीखेज कवरेज देते हैं। दूसरी ओर परिवारों और शिक्षण संस्थानों में वैचारिक परिपक्वता, सहनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाद में कमी आई है। युवाओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि ऊर्जा का सकारात्मक दोहन किस प्रकार किया जाए।

आज की युवा पीढ़ी में 'वायरल' होने की भूख है और वह रील्स संस्कृति के मकड़जाल में बुरी तरह उलझती जा रही है। आज के युवा एक ऐसे इंफॉर्मेशन सिस्टम में बड़े हो रहे हैं जहां हर पल खुद को साबित करने और लाइक्स, शेयर्स एवं व्यूज बटोरने का दबाव है।

अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आएं

एसआईआर विवाद

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

एसआईआर विवाद हाल के दिनों में भारतीय राजनीतिक, सामाजिक और कानूनी विमर्श का एक अत्यंत महत्वपूर्ण तथा संवेदनशील विषय बनकर उभरा है। किसी भी जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र में सरकार की नीतियों से असंतोष जताना, सवाल उठाना, शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराना और अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करना नागरिकों का एक मौलिक और संवैधानिक अधिकार है।

जब कोई आंदोलन किसी व्यापक और जटिल विवाद का रूप ले लेता है, तो उस आंदोलन के पीछे के उद्देश्यों, उसमें शामिल घटकों और उस पर शासन व न्यायप्रणाली की प्रतिक्रियाओं का निष्पक्ष, सूक्ष्म और गंभीर विश्लेषण करना अनिवार्य हो जाता है। हालिया प्रदर्शनों के संदर्भ में लगातार इस तरह के आरोप लग रहे हैं कि सत्ताधारी दल या कुछ खास स्वार्थी समूहों से जुड़े लोग जानबूझकर इन प्रदर्शनों में घुसपैठ करते हैं। वहीं दूसरी ओर, कुछ प्रदर्शनकारी या आंदोलन के आयोजक एक विशेष प्रकार की रणनीति या टूलकिट तैयार करते हैं। इसके तहत समर्थकों को खास तरह की वेशभूषा या धार्मिक व सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे लाल गमछा पहनना, सिर पर टीका लगाना या विशेष वस्त्र धारण करने का प्रयोग करके प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया जाता है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह बताया जाता है कि यदि कोई अप्रिय घटना घटे या पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाए, तो इन प्रतीकों के आधार पर सहानुभूति बटोरी जा सके। लेकिन इन तमाम राजनीतिक दावों, रणनीतियों और आरोपों से परे इस बुनियादी पहलू पर ध्यान देना बेहद जरूरी है कि विरोध प्रदर्शनों में आने वाले लोग शायद स्वतः स्फूर्त तरीके से सड़कों पर उतर रहे हों। हमारे देश का एक बड़ा वर्ग ऐसा हो सकता है जो किसी राजनीतिक दल के बहकावे, उकसावे या टूलकिट का हिस्सा बने बिना, केवल अपने नागरिक कर्तव्यों और लोकतांत्रिक निष्ठा के कारण बाहर आ रहा हो। जब आम नागरिकों को यह आभास होता है कि उनकी बात नहीं सुनी जा रही है, उनकी चिंताओं की उपेक्षा की जा रही है या देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया जा रहा है, तो वे स्वतः ही एकजुट होकर अपनी आवाज़ उठाने लगते हैं। यह स्वतःस्फूर्त भागीदारी नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता और लोकतंत्र में उनके गहरे विश्वास का प्रमाण है। इसलिए, प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, आंदोलन चाहे कितना भी बड़ा या स्वतःस्फूर्त क्यों न हो, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए। कई बार देखा गया है कि जनता के वास्तविक आक्रोश और असंतोष का इस्तेमाल कुछ महत्वाकांक्षी लोग अपने निजी फायदे के लिए करते हैं। यदि कोई आंदोलन किसी संकीर्ण स्वार्थ के तहत संचालित हो रहा है, तो वह अंततः समाज में विभाजन और अस्थिरता ही पैदा करता है। वर्तमान डिजिटल और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी आंदोलन के दौरान उग्रता या हिंसा के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप्स तेजी से वायरल हो जाते हैं। इन वीडियो के आधार पर अक्सर तुरंत यह धारणा बना ली जाती है कि पूरा का पूरा आंदोलन ही हिंसक और उग्र है। परंतु हमारी न्याय प्रणाली और विधि व्यवस्था इस बात पर विशेष जोर देती है कि जब तक ठोस और प्रामाणिक साक्ष्य न मिल जाएं, तब तक केवल सोशल मीडिया पर तैर रहे किसी वीडियो या अधूरी क्लिप को अंतिम सत्य मानकर किसी अंतिम नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। इसके साथ ही, लोकतंत्र में यदि किसी मुद्दे, नीति या कानून के विरोध में लोग सड़कों पर आएंगे, तो उस नीति या कानून के समर्थन में भी कुछ लोग जरूर खड़े होंगे। लोकतंत्र विचारों की विविधता का नाम है, जहां समर्थन और विरोध दोनों के लिए समान स्थान होता है। लेकिन विरोध या समर्थन का अधिकार किसी को भी हिंसा करने या कानून हाथ में लेने की छूट नहीं देता। सरकार, प्रशासन और आंदोलनकारियों सभी पक्षों को अहंकार छोड़कर संवाद की मेज पर आना चाहिए, ताकि देश की लोकतांत्रिक मर्यादा और सामाजिक ताना-बाना अक्षुण्ण बना रहे।

प्रदर्शनकारियों के हर समूह को किसी न किसी राजनीतिक दल का मोहरा मान लेना या उनकी निष्ठा पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद, एक बात हमेशा सर्वोपरि रहनी चाहिए कि जो कुछ भी हो रहा है, वह पूरी तरह से कानून-सम्मत और संविधान के दायरे में ही होना चाहिए।

पत्रकारिता की प्रतिष्ठा पर गहराता संकट

चौथा स्तंभ

चरण जीत

स्वतंत्र स्तंभकार

किसी भी देश के लोकतंत्र की मजबूती के लिए मुख्यतः चार स्तम्भों की चर्चा की जाती है। लोकतंत्र के चार स्तम्भों के रूप में प्रायः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया का उल्लेख किया जाता है। वैसे तो सभी स्तम्भ महत्पूर्ण हैं, लेकिन मीडिया को इसलिए सबसे मत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता के अभाव में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सत्ता के अनुचित दबाव का खतरा बढ़ जाता है। जिस देश का मीडिया स्वतंत्र नहीं होता, वहां सरकारें अपनी मनमानी करती हैं। इसी बिंदु पर एक दूसरा प्रश्न उठता है। क्या मीडिया की स्वतंत्रता के साथ कुछ क़ानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां भी नहीं जुड़ी होनी चाहिए? यदि पत्रकारिता के नाम पर कुछ लोग पेशेवर मर्यादाओं का उल्लंघन करने लगें तो पुरे मीडिया संस्थान और पत्रकारिता के पेशे की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं।

हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में, खासकर दिल्ली के जंतर मंतर पर होने वाले आन्दोलनों से कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पत्रकारिता का दावा करने वाले लोगों का व्यवहार सवालों के घेरे में है। जुलाई में होने वाले नीट आंदोलन से लेकर एसआईआर विवाद में कुछ ऐसे लोग सामने आए हैं, जो स्वयं को पत्रकार बताते हैं लेकिन वो पत्रकारों की अपेक्षा किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं जैसे अधिक प्रतीत होते हैं। हाथ में मोबाइल और कॉलर पर एक माइक लगा कर घूमते युवक-युवतियां जिस तरह से प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सामने अकड़कर खड़े होते हैं, वह व्यवहार कई बार विवाद का कारण बनता है। अनावश्यक और असंगत प्रश्न करते हैं। जवाब न मिलने या फटकार दिए जाने पर स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। ऐसी घटनाओं से पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं और पूरे समुदाय की छवि धूमिल होती है। डिजिटल क्रांति के इस दौर में आम नागरिकों तक पहुंचने वाले संचार माध्यम अनियंत्रित हो जाएं, सही और सटीक तथ्य पहुंचाने की बजाय भ्रामक सूचनाएं फैलाने लगें तो लोकतांत्रिक व्यवस्था और मीडिया की जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठेंगे। क्योंकि अधूरी या भ्रामक जानकारी समाज तनाव, भ्रम और टकराव पैदा कर सकती है। नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा इस विचार के साथ विकसित हुई कि देश के दूर-दराज इलाकों में मौजूद समस्याएं सरकार और प्रशासन तक पहुंच सकें। जिन स्थानों पर मुख्यधारा के पत्रकार नहीं पहुंच पाते, वहां की ज़मीनी सच्चाई भी देश के सामने आनी चाहिए। लेकिन पत्रकारिता के इस पेशे की अपनी मर्यादाएं, नैतिक मानक, और जिम्मेदारियां भी हैं। इसीलिए एक पत्रकार के लिए औपचारिक प्रशिक्षण, सम्पादकीय निगरानी तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके विपरीत आज डिजिटल माध्यमों के कारण कोई भी व्यक्ति फ़ोन और माइक की मदद से समाचार संबंधी सामग्री तैयार कर सकता है। अधिक से अधिक व्यूज़ पाने की कोशिश में इनमें से कुछ लोग न केवल अनावश्यक विवाद खड़ा करते हैं, बल्कि एक सनसनीखेज थंबनेल के साथ वीडियो अपलोड करते हैं। हाथ में मोबाइल और माइक पकड़े हुए कोई व्यक्ति वास्तव में पेशेवर पत्रकार है या किसी जिम्मेदार मीडिया संस्थान का प्रतिनिधि है या स्वतंत्र कॉन्टेंट क्रिएटर है, यह स्पष्ट होना चाहिए। उसकी भूमिका और संबद्धता के बारे में पारदर्शिता होनी चाहिए। एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के लागू नियमों और सम्बन्धित आचार संहिताओं का पालन सुनिश्चित करते हुए या स्पष्ट होना चाहिए कि व्यक्ति किसी मीडिया संस्थान से जुड़ा है या स्वतंत्र रूप से सामग्री तैयार करता है। अन्यथा निश्चित मर्यादाओं के अभाव में यह अनुमान लगाना कठिन होगा कि अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना सूचना प्रसार से कब गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए आत्म-सुधार और जवाबदेही की प्रक्रिया निरंतर चलती रहनी चाहिए।

एसआईआर विवाद के बाद समूचे मीडिया जगत के सामने यह चुनौती है कि पत्रकारिता की शाख कैसे बचाई जाए? अब समय आ गया है कि जब पत्रकारिता से जुड़े सभी संगठनों और मीडिया घरानों को स्वयं स्पष्ट और पारदर्शी मानक तय करने होंगे। स्वयं ही आत्म-नियमन और आत्म-सुधार की पहल करनी होगी।

खबर संक्षेप

असम में 7.5 करोड़ की याबा गोलियां जब्त

गुवाहाटी। असम के कामरूप जिले में पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने 30 हजार प्रतिबंधित याबा गोलियां जब्त की हैं। इनकी कीमत करीब 7.5 करोड़ रुपए बताई गई है। मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर शनिवार रात अमीनगांव इलाके में अभियान चलाया गया। इस दौरान मादक पदार्थों की खेप ले जा रहे एक व्यक्ति को रोका गया। याबा गोलियों को थाई भाषा में 'क्रेजी मेडिसिन' भी कहा जाता है।

ओडिशा एसआई परीक्षा पेपर लीक, जांच तेज

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2024 के प्रश्नपत्र लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जांच का दायरा बढ़ाएगा। एजेंसी अब ओडिशा पुलिस भर्ती बोर्ड (ओपीआरबी) के कुछ अधिकारियों और निजी संस्थाओं की भूमिका की भी जांच करेगी। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ईडी अभ्यर्थियों से कथित तौर पर वसूली गई रकम के लेन-देन और उससे बनाई गई अवैध संपत्तियों का पता लगा रही है। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत कुर्क की जा सकती हैं।

जुबीन मौत मामलाःकोर्ट में चुनौती देगी सीआईडी

गुवाहाटी। असम सीआईडी मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में दो आरोपियों को जमानत दिए जाने के फैसले को उच्चतम

न्यायालय में चुनौती देने जा रही है। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय के आदेशों का अध्ययन करने और कानूनी राय लेने के बाद यह फैसला किया गया है। जमानत पाने वालों में गर्ग के चचेरे भाई और एक अन्य गायिका अमृतप्रभा महंत तथा निलंबित पुलिस उपाधीक्षक संदीपन गर्ग शामिल भी हैं।

बहुपक्षीय सहयोग होगा मजबूत

एससीओ बैठक में शामिल होने आज ताजिकिस्तान जाएंगे रक्षामंत्री राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 19-20 अक्टूबर को दुशांबे में एससीओ शासनाध्यक्षों की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। व्यापार, कनेक्टिविटी और इनोवेशन सहयोग पर फोकस रहेगा...

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

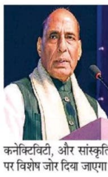

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 19-20 अक्टूबर को ताजिकिस्तान के दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन के शासनाध्यक्षों की परिषद की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह बैठक सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित रहेगी। व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, कनेक्टिविटी, और सांस्कृतिक-मानवीय आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा।

क्षेत्रीय सहयोग के लिए अवसर

यह बैठक उस समय हो रही है जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितताएं और भू-राजनीतिक चुनौतियां बनी हुई हैं। एससीओ सदस्य देशों के बीच आपसी निर्भरता बढ़ाने और बाहरी दबावों से निपटने का एक मंच उपलब्ध कराता है। भारत के लिए यह मौका है कि वह अपने डिजिटल अनुभव, स्टार्टअप इकोसिस्टम और इंफ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञता को साझा करे। साथ ही मध्य एशियाई देशों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयासों को आगे बढ़ाए।समग्र रूप से राजनाथ सिंह का यह दौरा भारत की बहुपक्षीय कूटनीति और क्षेत्रीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बैठक के नतीजे संगठन की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

क्षेत्रीय सहयोग बढ़ा रहा भारत

भारत एससीओ के विभिन्न तंत्रों में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप और इनोवेशन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान जैसी पहलों के जरिए भारत क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। बैठक में भारत अन्य सदस्य देशों के साथ व्यावहारिक और पारस्परिक लाभकारी सहयोग बढ़ाने पर विचार विमर्श करेगा। कनेक्टिविटी परियोजनाएं, आर्थिक एकीकरण और सांस्कृतिक संबंध मजबूत करने के लिए भारत के सुझाव महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।ताजिकिस्तान जैसी मध्य एशियाई देश के साथ भारत के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध भी इस दौरे को अतिरिक्त महत्व देते हैं। एससीओ मंच पर भारत क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद विरोधी सहयोग और सतत विकास जैसे मुद्दों पर अपना पक्ष रखता रहा है। राजनाथ सिंह की उपस्थिति सुरक्षा आयाम को भी बल देगी, भले ही बैठक मुख्य रूप से आर्थिक एजेंडे पर हो।

सुरक्षा जांच के बाद एनओसी जारी

रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होगी कांग्रेस की रैली, दिल्ली पुलिस ने दी हरी झंडी

25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक रामलीला मैदान खाली बताया गया

फाइल फोटो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली का एलान किया गया है। हालांकि दिल्ली में लगातार चल रहे विरोध-प्रदर्शनों की वजह से व्यापारियों और आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इस रैली का होना मुश्किल माना जा रहा था, लेकिन इसी बीच दिल्ली पुलिस ने रैली करने की अनुमति दे दी है। साथ ही एनओसी भी जारी कर दी गई है। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के लिए निर्धारित जगहों की लिस्ट से जंतर-मंतर को हटाए जाने के बाद कांग्रेस ने रामलीला मैदान में रैली की अनुमति मांगी थी। जिसके बाद लिए उन्हें अनुमति दे दी गई है और अगर यह रैली सफल तरीके से होती है तो यह इस तरह की कांग्रेस की पहली रैली होगी। कांग्रेस पार्टी की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित रैली के बारे में सेंट्रल डीसीपी राजबीर सिंह ने भी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि जैसा आप सबको मालूम है रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड और बुराड़ी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किया गया है। कांग्रेस पार्टी की ओर से जगह की उपलब्धता की जानकारी के लिए एमसीडी से संपर्क किया गया था। एमसीडी की ओर से मैदान में 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक की उपलब्धता बताई गई। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी हमारे पास पहुंची। सुरक्षा के इंतजामों को देखते हुए हमने उन्हें एनओसी देने का फैसला लिया है। इसी प्रक्रिया के तहत कोई और पक्ष भी मैदान बुक करना चाहे तो कर सकता है।

दिल्ली में चल रहा विरोध-प्रदर्शन

कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित रैली ऐसे समय पर होने जा रही है, जब पहले से ही देश में एसआईआर पर विवाद चल रहा है। वहीं दूसरी ओर कॉकरोच जनता पार्टी और इंडिया गठबंधन द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सीजेपी लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रही है। इसके लिए उन्होंने दिल्ली के कनॉट प्लेस और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की कोशिश की।

पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों से दुर्व्यवहार और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामलों को दी जाएगी प्राथमिकता

▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर इस साल जुलाई में हुई हिंसा से जुड़े सभी पहलुओं की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त जांच समिति (एचपीईसी) ने शिकायतों और अभ्यावेदनों को दर्ज कराने के लिए एक पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के माध्यम से हिंसा से प्रभावित लोग, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, अपनी शिकायतें और संबंधित साक्ष्य ऑनलाइन जमा करा सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, समिति सुप्रीम कोर्ट के आदेश में उल्लिखित सभी मुद्दों की जांच करेगी। जांच के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल, महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने और उनके उत्पीड़न, तथा दोनों पक्षों की ओर से हुई अत्यधिक हिंसा और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी।

गवाहों की पहचान गोपनीय रखने की व्यवस्था

गृह मंत्रालय ने बताया कि पोर्टल को इस तरह तैयार किया गया है कि संवेदनशील गवाहों को उचित संरक्षण मिल सके। प्रभावित व्यक्ति चाहें तो अपनी पहचान गोपनीय रखने का विकल्प भी चुन सकते हैं। समिति का उद्देश्य प्रभावित लोगों को सुरक्षित तरीके से अपनी बात रखने और जांच में सहयोग करने का अवसर प्रदान करना है। प्रभावित व्यक्तियों और अन्य संबंधित पक्षों से अपील की गई है कि वे पोर्टल **http://hpec.nic.in** पर जाकर अपनी शिकायतें, अभ्यावेदन और अन्य प्रासंगिक सामग्री निर्धारित प्रारूप में अपलोड करें।

ऑफलाइन भी जमा कर सकते हैं शिकायतें

जो लोग ऑनलाइन शिकायत दर्ज नहीं कराना चाहते, वे अपनी शिकायतें, अभ्यावेदन और संबंधित दस्तावेज समिति के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से भी जमा करा सकते हैं। इसके लिए नई दिल्ली स्थित शिक्षा सदन में एचपीईसी के कार्यालय में सभी कार्यदिवसों पर दोपहर दो बजे से शाम चार बजे के बीच संपर्क किया जा सकता है। शिकायतें और संबंधित दस्तावेज डाक के माध्यम से भी भेजे जा सकते हैं। इसके अलावा, समिति को ई-मेल के जरिए भी सामग्री भेजी जा सकती है।

जानकारी और सुझाव भी आमंत्रितः गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जांच के दायरे में आने वाले मुद्दों से संबंधित कोई भी जानकारी या सुझाव रखने वाला व्यक्ति भी पोर्टल के माध्यम से अपना पक्ष समिति के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। समिति को मिलने वाली शिकायतों, दस्तावेजों और अन्य सूचनाओं से जुलाई में हुई हिंसा से जुड़े घटनाक्रमों के विभिन्न पहलुओं की जांच में मदद मिलने की उम्मीद है।

---

1 नवंबर से लागू होगा नया ढांचा

सीआईएसएफ में काम के आधार पर अब मिलेगी सुरक्षा की कमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की प्रशासनिक और परिचालन व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद नया ढांचा 1 नवंबर 2026 से देशभर में लागू होगा। इसके तहत सुरक्षा की कमान अब भौगोलिक क्षेत्र के बजाय प्रतिष्ठानों के कार्यक्षेत्र और उनकी सुरक्षा जरूरतों के आधार पर तय की जाएगी। पुनर्गठन का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था में विशेषज्ञता बढ़ाना, निगरानी मजबूत करना और विभिन्न प्रतिष्ठानों में सुरक्षा प्रक्रियाओं में एकरूपता लाना है। इससे संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्रतिष्ठानों के प्रबंधन के साथ समन्वय भी बेहतर होगा। सीआईएसएफ हवाई अड्डों, बंदरगाहों, परमाणु एवं अंतरिक्ष केंद्रों, बिजली संयंत्रों, कोयला खदानों, इस्पात संयंत्रों, पेट्रोलियम रिफाइनरियों, सरकारी इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों और मेट्रो की सुरक्षा करता है।

सांवलिया सेठ मंदिर में बरस रहा धन

31.17 करोड़ का चढ़ावा, 930 ग्राम सोना,92 किलो चांदी चढ़ी

एजेंसी ▶▶ चित्तौड़गढ़

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ स्थित सांवलिया सेठ मंदिर में श्रद्धालुओं ने जमकर चढ़ावा चढ़ाया है। मंदिर के भंडार से कुल 31 करोड़ 17 लाख 92 हजार रुपये से अधिक की नकदी प्राप्त हुई है। इसके अलावा 930 ग्राम से अधिक सोना और 92 किलो से ज्यादा चांदी भी चढ़ावे में मिली है। मंदिर की दानपेटियां 9 अक्टूबर को खोली गई थीं। नकदी की गिनती पांच चरणों में पूरी हुई, जिसका अंतिम चरण 15 अक्टूबर को समाप्त हुआ। दानपेटियों से कुल 23 करोड़ 58 लाख 44 हजार रुपये से अधिक की राशि निकली। वहीं, श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन भुगतान और मनीऑर्डर के जरिए 7 करोड़ 59 लाख 47 हजार रुपये से अधिक की राशि भेजी। चढ़ावे में 930 ग्राम 100 मिलीग्राम सोना और 92 किलो 242 ग्राम से अधिक चांदी शामिल है। इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन सहित 19 देशों की विदेशी मुद्रा भी दानपेटियों से मिली है।

पीएम मोदी को दिया न्योता...

11 नंवबर को परिणय बंधन में बंधेंगे, अनिरुद्ध और काव्या

नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर म्यूजिक कंपोजर और रजनीकांत के भतीजे अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों 11 नवंबर को ग्रीस में शादी करने जा रहे हैं। इस बीच काव्या के पिता और सन टीवी ग्रुप के चेयरमैन कलानिधि मारन और उनकी पत्नी कावेरी मारन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मुलाकात कर उन्हें वेडिंग रिसेप्शन का न्योता दिया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार देवनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.)

सूचना नोंटिस

01. तेजराम आ. स्व. रामचरन उम्र 60 वर्ष,
02. सहालो आ. स्व. गुलाल उम्र 59 वर्ष,
03. सारदेश कुमार आ. स्व. टेकराम उम्र 24 वर्ष,
04. अवधेश प्रताप आ. स्व. टेकराम उम्र 35 वर्ष,
05. शरद कुमार आ. स्व. टेकराम उम्र 26 वर्ष,
06. हरदेश कुमार आ. स्व. टेकराम उम्र 36 वर्ष,
07. विमला आ. स्व. टेकराम उम्र 40 वर्ष,
08. पोंया आ. स्व. टेकराम उम्र 38 वर्ष,
09. निर्मला आ. स्व. टेकराम उम्र 36 वर्ष,
10. पूजा आ. स्व. टेकराम उम्र 30 वर्ष
11. मानमति. आ. स्व. टेकराम उम्र 32 वर्ष,
12. मानती आ. स्व... दुलार साय उम्र 50 वर्ष,

सभी जाति घसिया निवासी ग्राम पोंड़ी तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.)

विषय :- ग्राम पोंड़ी रा.नि.मं. देवनगर तहसील. रामानुजनगर स्थित भूमि खसरा कमाक 1177, 1179 रकबा क्रमशः 0.060, 0.070 हे. भूमि का बटवारा के संबंध में। आवेदिका शांति बेवा स्व. मोहनकमलेश, राहुल, अनीता. आ. स्व. मोहन जाति घसिया निवासी भट्ठापारा थाना व तहसील सुरजपुर द्वारा ग्राम पोंड़ी तहसील रामानुजनगर स्थित भूमि खसरा न 1177, 1179 रकबा कमशः 0.060, 0.070 हे. भूमि आवेदकगण व अनोवेदकगण के नाम पर सामिल खाता में दर्ज है, आवेदकगण द्वारा 1/3 हिस्सा में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन अन्तर्गत धारा 178 छ.ग. भू.रा.सं. 1959 पेश किया गया है। उक्त संबंध में दिनांक 27.10.2026 को सुनवाई नियत है। अतः आप को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नियत सुनवाई दिनांक को न्यायालय नायब तहसीलदार देवनगर में नियत समय 11 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं। उपस्थित नही होनें की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही कर दी जावेगी।

नायब तहसीलदार
देवनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.)

ऑपरेशन मुस्कानः नवानगर पुलिस ने लापता नाबालिग को सकुशल खोजा

सिंगरौली। नवानगर पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत अपहरण के मामले में लापता 14 वर्ष 11 माह की नाबालिग बालिका को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस ने बालिका को थाना क्षेत्र के ग्राम माजन खुर्द से खोजा। पुलिस के अनुसार, नवानगर थाने में अपराध क्रमांक 279/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) में मामला दर्ज कर बालिका की तलाश की जा रही थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम ने संभावित स्थानों पर तलाश और पतासाजी के बाद बालिका को खोज निकाला। दस्तयाबी के बाद बालिका को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक षियाज के.एम. के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक विंध्यनगर हेमंत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद पाठक के नेतृत्व में की गई।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक काशीराम यादव आ0 ललन यादव निवासी ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 28/18 रकबा 0.033 हे0 भूमि को अनावेदक ललिता यादव पत्नी काशीराम यादव व अन्य निवासी ग्राम सोनपुरकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 11,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26.10.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आज दिनांक 05/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा०प्र०क्र०

ईश्तहार

आगामी तिथिः 22/10/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक रामकिशुन आ0 जगदेव, उम्र लगभग 58 वर्ष, जाति तेली, निवासी ग्राम देवीपुर, थाना व तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा न्यायालय आज्ञाप्ति के आलोक में नजूल भूमि का विभाजन किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि भू-खण्ड क्रमांक 2252, 2253 क्षेत्रफल क्रमशः 0.2, 0.5 डिसमिल भूमि के 1/4 अंश में से 1/3 अंश के नजूल अभिलेख एवं मानचित्र को आवेदक के नाम से पृथक रूप से स्थापित किए जाने का आदेश प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 22/10/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 25/9/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलवंत राय अग्रवाल आ. स्व. रामचन्द्र गर्ग, जाति अग्रवाल, निवासी खरसिया रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-08, मोहल्ला खरसिया रोड, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2833/1, 2833/3 रकबा 1572.5, 2256.40 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेस खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 29.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 15/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

विंध्य त्रिकोण में दो साल में 60 प्रतिशत बढ़े श्रद्धालु, 2025 में 1.84 करोड़ ने किए दर्शन

मीरजापुर। मां विंध्यवासिनी धाम में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के साथ विंध्याचल का धार्मिक पर्यटन तेजी से विस्तार ले रहा है। अब श्रद्धालु मां विंध्यवासिनी के दर्शन के साथ मां कालीखोह और मां अष्टभुजा मंदिर में भी हाजिरी लगा रहे हैं। यही वजह है कि विंध्य त्रिकोण धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2025 में तीनों मंदिरों में करीब 1.84 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि 2023 में यह संख्या लगभग 1.15 करोड़ थी। इस प्रकार दो वर्षों में दर्शनार्थियों की संख्या में करीब 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार भी विंध्याचल को शक्तिपीठ पर्यटन सर्किट के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत मंदिरों के आसपास आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, संपर्क मार्गों का विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विंध्याचल को केवल एक मंदिर तक सीमित न रखकर संपूर्ण शक्ति उपासना स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। विंध्य त्रिकोण में मां विंध्यवासिनी धाम श्रद्धालुओं की पहली पसंद बना हुआ है। वर्ष 2023 में करीब 73 लाख श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे थे। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 78.15 लाख हो गई, जबकि 2025 में करीब 1.20 करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस तरह दो वर्षों में दर्शनार्थियों की संख्या में लगभग 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। श्रद्धालुओं की आमद का सिलसिला वर्ष 2026 में भी जारी है। जनवरी से अगस्त तक करीब 90 लाख श्रद्धालु मां विंध्यवासिनी के दर्शन कर चुके थे। यह संख्या वर्ष 2025 के कुल दर्शनार्थियों की लगभग 75 प्रतिशत है। शारदीय नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में और वृद्धि होने की संभावना है। विंध्याचल आने वाले श्रद्धालुओं के बीच विंध्य त्रिकोण परिक्रमा का आकर्षण भी बढ़ रहा है। पारंपरिक रूप से यह यात्रा मां विंध्यवासिनी मंदिर से शुरू होकर मां कालीखोह मंदिर होते हुए मां अष्टभुजा मंदिर में पूरी होती है। इससे श्रद्धालुओं को एक ही यात्रा में देवी के तीन स्वरूपों के दर्शन करने का अवसर मिलता है। वर्ष 2023 में मां कालीखोह और मां अष्टभुजा मंदिरों में कुल करीब 42.36 लाख श्रद्धालु पहुंचे थे। वर्ष 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 64 लाख हो गया। इस प्रकार दो वर्षों में दोनों मंदिरों में दर्शनार्थियों की संख्या में 51 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। इससे स्पष्ट है कि विंध्याचल आने वाले श्रद्धालु अब तीनों प्रमुख देवी मंदिरों के दर्शन को अपनी यात्रा का हिस्सा बना रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए विंध्याचल में सुविधाओं के विस्तार और धार्मिक स्थलों के विकास पर करीब 208.09 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके तहत मां की पैड़ी, संपर्क मार्गों, परिक्रमा पथ, आसपास की सड़कों और मुख्य मंदिर परिसर में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मां विंध्यवासिनी धाम के साथ मां कालीखोह और मां अष्टभुजा मंदिर क्षेत्र में भी आधारभूत सुविधाएं मजबूत की जा रही हैं। पहाड़ी मंदिरों तक पहुंच आसान बनाने में रोपवे की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है।

इससे बुजुर्गों और परिवारों को आवागमन में सहूलियत मिल रही है। वहीं, त्रिकोण परिक्रमा योजना के अंतर्गत मां कालीखोह क्षेत्र के विकास के लिए 35.50 करोड़ रुपये की परियोजना अक्टूबर में निविदा प्रक्रिया तक पहुंच गई है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य विंध्य त्रिकोण के तीनों प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। विंध्याचल में धार्मिक पर्यटन को व्यवस्थित रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने 'विजिट माय स्टेट' पहल के तहत दो विशेष टूर पैकेज शुरू किए हैं। पहले पैकेज में दो दिन और एक रात की यात्रा के दौरान वाराणसी और विंध्याचल को जोड़ा गया है। इसके तहत पर्यटक काशी के मंदिरों और घाटों के साथ विंध्य त्रिकोण के तीनों देवी मंदिरों में दर्शन कर सकेंगे। दूसरा पैकेज दो रात और तीन दिन का है। इसमें लखनऊ, वाराणसी, विंध्याचल और प्रयागराज को धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में शामिल किया गया है। इससे श्रद्धालु मां विंध्यवासिनी धाम के दर्शन के साथ काशी और प्रयागराज के प्रमुख तीर्थ स्थलों की यात्रा भी कर सकेंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि विंध्याचल प्रदेश के विस्तारित शक्तिपीठ सर्किट का प्रमुख केंद्र बनेगा। इससे देश-विदेश के श्रद्धालुओं को उत्तर प्रदेश की समृद्ध शक्ति उपासना परंपरा से जोड़ने में मदद मिलेगी। वहीं, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात के अनुसार, बेहतर कनेक्टिविटी, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं और सुव्यवस्थित यात्रा पैकेजों से धार्मिक पर्यटन को मजबूती मिलेगी। इससे पर्यटकों के ठहराव की अवधि बढ़ने के साथ स्थानीय कारोबारियों और समुदायों को भी लाभ होगा। विंध्य त्रिकोण में श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही से होटल, परिवहन, खानपान, गाइड सेवा, फूल-माला और प्रसाद कारोबार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो सकते हैं।

पूर्व सलवा जुड़ूम कर्मियों के सेवा अधिकारों पर हाईकोर्ट सख्त, छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर ,। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पूर्व सलवा जुडूम कर्मियों से जुड़े सेवा अधिकारों के मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। ये वे कर्मी हैं, जिन्हें सलवा जुडूम अभियान के बाद छत्तीसगढ़ आर्म्ड पुलिस फोर्स में शामिल किया गया था। याचिका में उनकी सेवा शर्तों, समान अवसर के अधिकार और कथित भेदभाव से जुड़े मुद्दे उठाए गए हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उनकी सेवा से संबंधित अधिकारों और पात्रताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने लंबे समय से चली आ रही कथित असमानताओं का न्यायसंगत समाधान करने की मांग भी अदालत के समक्ष रखी है। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई के दौरान पक्षकारों की दलीलें सुनने के बाद राज्य सरकार को जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

सलवा जुडूम से आर्म्ड पुलिस फोर्स तक का सफर

सलवा जुडूम अभियान वर्ष 2005 के आसपास छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में शुरू हुआ था। इस अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय आदिवासी ग्रामीणों और युवाओं ने भाग लिया था। अभियान से जुड़े कुछ युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी (स्क्कह्र) के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने स्क्कह्र्य को सशस्त्र नक्सल-विरोधी अभियानों में इस्तेमाल करने पर रोक लगाई थी। इसके बाद सलवा जुडूम से जुड़े कुछ कर्मियों को छत्तीसगढ़ आर्म्ड पुलिस फोर्स में शामिल किया गया। मौजूदा याचिका में इन्हीं कर्मियों की सेवा शर्तों और उनसे जुड़े अधिकारों को लेकर सवाल उठाए गए हैं।

संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का दिया हवाला

याचिकाकर्ताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता फतेश कुमार साहू और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के अधिवक्ता विद्याभूषण सोनी संयुक्त रूप से पैरवी कर रहे

हैं। अधिवक्ताओं ने मामले के संवैधानिक पहलुओं को रेखांकित करते हुए कहा कि यह विवाद केवल सेवा लाभों तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित समानता के अधिकार और अनुच्छेद 16 में सार्वजनिक रोजगार के अवसरों की समानता से भी जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से अनुरोध किया है कि उनकी सेवा संबंधी पात्रताओं और अधिकारों पर उचित विचार किया जाए तथा कथित ऐतिहासिक भेदभाव का समाधान किया जाए।

राज्य सरकार के जवाब के बाद आगे बढ़ेगी सुनवाई

इस मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को छह सप्ताह के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सरकार का जवाब दाखिल होने के बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी। फिलहाल, अदालत की ओर से नोटिस जारी किया जाना न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। याचिकाकर्ताओं की मांगों और सेवा अधिकारों पर अंतिम निर्णय आगे की सुनवाई के बाद ही सामने आएगा। फतेश कुमार साहू और विद्याभूषण सोनी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जुड़े चर्चित ह्यमाउंटेन मैन ट्रेडमार्क विवाद के कानूनी पक्षों में भी रणनीतिक रूप से शामिल रहे हैं। इस मामले में दोनों अधिवक्ता पूर्व सलवा जुडूम कर्मियों की ओर से संयुक्त रूप से पैरवी कर रहे हैं।

CJP के प्रदर्शन पर राजीव लोचन दास का बयान, रावण दहन के साथ कॉकरोच दहन की कही बात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

छतरपुर। छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त राजीव लोचन दास जी महाराज अपने एक बयान को लेकर चर्चा में हैं। छतरपुर में पहली बार नगर आगमन के दौरान उन्होंने ष्टछ्वक्क (कॉकरोच जनता पार्टी) के प्रदर्शन पर तीखी प्रतिक्रिया दी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि इस बार रावण दहन के साथ इन ह्यकॉकरोचज् का भी दहन किया जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है।

राजीव लोचन दास छत्तीसगढ़

स्वागत कार्यक्रम के बाद मीडिया से की बातचीत

गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष होने के साथ प्रसिद्ध संकट मोचन मंदिर के महंत भी हैं। रविवार को उनके पहली बार छतरपुर पहुंचने पर समर्थकों और स्थानीय नागरिकों ने स्वागत किया। इस दौरान मंदिर ट्रस्ट के संचालक राजेंद्र अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान ष्टछ्वक्क के प्रदर्शन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी।

प्रदर्शनकारियों पर तीखी टिप्पणी

मीडिया से चर्चा के दौरान राजीव लोचन दास ने कहा कि भारत नेपाल या भूटान नहीं है और यहां की जनता परिस्थितियों को समझती है। प्रदर्शनकारियों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने उनकी तुलना कॉकरोच से की और कहा कि वे गंदगी में ही जीवित रह सकते हैं। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए उन्होंने रावण दहन के साथ प्रदर्शनकारियों का भी दहन करने का आह्वान किया।

बयान से बढ़ी राजनीतिक चर्चा

राजीव लोचन दास के बयान को लेकर अब राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा होने की संभावना है। सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तियों की टिप्पणियां अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, ऐसे में उनके इस बयान पर विभिन्न पक्षों की प्रतिक्रियाएं सामने आ सकती हैं। फिलहाल, इस बयान पर ष्टछ्वक्क या अन्य संबंधित पक्षों की प्रतिक्रिया सामने आने पर मामले की तस्वीर और स्पष्ट होगी।

गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक:मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की ।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का उत्सव भी है। गरबा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजन हमारी आस्था और परंपराओं को जीवंत रखते

हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक श्री श्री दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा ।इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित रास गरबा विथ भजन डांडिया, रामबाग में आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में श्री दशा सोरठिया वाणिक समाज द्वारा आयोजित सोरठी रंग रंगीलो नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा आयोजित संकल्प गरबा में शामिल हुए।

कअर सुबोध सिंह की फर्जी कऊ बनाई, 88 लाख की ठगी : कानपुर से 2 आरोपी गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - साइबर थाना की टीम ने दो अलग-अलग साइबर अपराधों में शामिल दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है ।एक आरोपी पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुबोध कुमार सिंह के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। वहीं दूसरे आरोपी को शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच देकर 88 लाख रुपए की ठगी के मामले में पकड़ा गया है। जांच में आरोपियों से जुड़े बैंक खाते के खिलाफ देश के विभिन्न 11 थाना और साइबर सेल में शिकायतें दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा के निर्देशन में साइबर अपराधों में शामिल आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रेंज साइबर थाना रायपुर की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो अलग-अलग मामलों की जांच करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने फेसबुक, गूगल, मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों, बैंक खातों और व्हाट्सएप से प्राप्त जानकारी का विश्लेषण कर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता

हासिल की। शिकायतकर्ता सुशांत पनका ने पुलिस को सूचना दी थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने आईएएस अधिकारी के नाम से फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाई है। शिकायत के आधार पर राखी थाना में अपराध क्रमांक 153/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 319(2), 336(3) और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने फेसबुक, गूगल और मोबाइल कंपनियों से मिली जानकारी का तकनीकी विश्लेषण किया। इसके आधार पर आरोपी अर्जुन कुमार जाटव (23 वर्ष), निवासी हमीरपुर, उत्तर प्रदेश की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अर्जुन कुमार जाटव अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाने और धोखाधड़ी की गतिविधियों में शामिल था। आरोपी के मोबाइल फोन के तकनीकी विश्लेषण में स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के कई महत्वपूर्ण जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाए जाने के साक्ष्य भी मिले हैं। पुलिस अब इन खातों और उनसे जुड़ी गतिविधियों की जांच कर रही है।

पायलीखंड खदान से हीरे चोरी कर बेचने निकला आरोपी गिरफ्तार, 10.15 लाख रुपये का माल जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

धमतरी, । धमतरी पुलिस ने बिरेझर चौकी और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में 146 नग बहुमूल्य पत्थर (हीरे) जब्त कर 64 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है ।जब्त हीरों का शुद्ध वजन 13.49 ग्राम है। पुलिस के अनुसार, जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 10 लाख 15 हजार 200 रुपये है। पुलिस के मुताबिक, 18 अक्टूबर 2026 को पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि नेशनल हाईवे-30 पर कोड़ापार नहर पुलिया के पास एक व्यक्ति हीरे जैसे बहुमूल्य पत्थर बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है ।सूचना पर बिरेझर पुलिस और साइबर सेल की टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान विनोद अग्रवाल (64 वर्ष), निवासी के.के. वार्ड, भाटापारा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के रूप में बताई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 146 नग सफेद, चमकदार और पारदर्शी पत्थर बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने मेमोरेंडम कथन में इन पत्थरों को वर्ष 2018 में गरियाबंद जिले के पायलीखंड खदान क्षेत्र से चोरी करना और अब बेचने के लिए ग्राहक तलाशना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 21(4) और भारतीय न्याय संहिता(इठर) की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर 19 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। ये सामान हुआ जब्तः पुलिस ने 146 नग बहुमूल्य पत्थर, जिनका कुल वजन 16.17 ग्राम और शुद्ध वजन 13.49 ग्राम है, अनुमानित कीमत 10 लाख 5 हजार रुपये, एक सैमसंग 4 स्21 स्नश्व 5त्र मोबाइल फोन, कीमत 8 हजार रुपये और 2,200 रुपये नकद जब्त किए हैं।

डामर फैक्ट्री में लगी आग, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

रायपुर, । राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित पोरवाल टार प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाडि ?ां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभिक आशंका है कि प्रोसेसिंग के दौरान टार लीक होने से आग लगी। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। जानकारी के मुताबिक, घटना के समय फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे। आग लगते ही परिसर में हड़कंप मच गया। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कार्रवाई की।

चार महीने पहले भी झुलसे थे दो श्रमिक

बताया जा रहा है कि पोरवाल टार प्रोडक्ट्स फैक्ट्री में आग लगने की यह दूसरी घटना है। करीब चार महीने पहले भी यहां आग लगने से दो श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए थे। बार-बार आग लगने की घटनाओं के बाद फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन इंतजामों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पहली घटना के बाद सुरक्षा उपायों में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए, यह भी जांच का विषय है। फिलहाल आग लगने के कारणों और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की जांच की जरूरत है। जांच के बाद ही घटना के लिए जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

BSP की बिक्री के मुद्दे पर भाजपा का कांग्रेस पर हमला, लक्ष्मी बोलीं- माफी मांगें कांग्रेसी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भिलाई। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध औद्योगिक नगर भिलाई में स्थित देश के महारत्न उपक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के निजीकरण और अडानी समूह को बेचे जाने को लेकर सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रही खबरों को भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे विपक्षी दल कांग्रेस का एक घिनौना, मनगढ़ंत और राजनीतिक दुष्प्रचार करार दिया है। इस गंभीर मसले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भिलाई स्टील प्लांट को बेचने या किसी अन्य हाथों में सौंपने की बातें पूरी तरह से भ्रामक, निराधार और तथ्यहीन हैं। दूसरी ओर, बीएसपी प्रबंधन और आधिकारिक प्रशासनिक सूत्रों ने भी इन तमाम अफवाहों का खंडन किया है।

कांग्रेस पर तीखा हमला और सबूत पेश करने की खुली चुनौती

राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा और इसे एक सफेद झूठ बताया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें जरा भी सच्चाई और नैतिकता बची है, तो वे

अनर्गल बयानबाजी करने के बजाय इस तथाकथित निजीकरण के समर्थन में जनता के सामने ठोस सबूत व दस्तावेज रखें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस अपने इस भ्रामक और षड्यंत्रकारी झूठ के प्रमाण पेश नहीं कर पाती है, तो उसे छत्तीसगढ़ की जनता से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

'भिलाई स्टील प्लांट छत्तीसगढ़ का गौरव और अस्मिता'

भाजपा सांसद ने दोटूक शब्दों में कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र केवल लोहे और स्टील का कोई साधारण कारखाना भर नहीं है, बल्कि यह भिलाई सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ के मान-सम्मान, सांस्कृतिक अस्मिता और यहां के मेहनतकश श्रमिकों के पसीने की अमूल्य पहचान है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक रूप से पूरी तरह प्रासंगिकता खो चुके पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और अन्य कांग्रेस नेता घोर निराशा और कुंठा के दौर से गुजर रहे हैं, जिसके चलते वे राज्य के गौरवशाली प्रतीकों के खिलाफ भी मनगढ़ंत अफवाहें फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार इस संयंत्र के आधुनिकीकरण, क्षमता विस्तार और इसके विकास के लिए पूरी ईमानदारी से प्रतिबद्ध है।

प्रबंधन का आधिकारिक खंडन और जनता से सतर्क रहने की अपील

इस पूरे घटनाक्रम के बीच भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के आधिकारिक प्रबंधन ने भी संज्ञान लेते हुए स्पष्ट किया है कि संयंत्र के विक्रय से जुड़ी सभी खबरें पूरी तरह से असत्य, काल्पनिक और भ्रामक हैं। केंद्रीय इस्पात मंत्रालय और प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की आधिकारिक फैक्ट चेक इकाई ने भी इन तमाम दावों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें झूठा करार दिया है। बीएसपी प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों, श्रमिकों, व्यावसायिक साझेदारों और छत्तीसगढ़ की समस्त जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट और भ्रामक सूचनाओं पर बिल्कुल विश्वास न करें। भिलाई इस्पात संयंत्र अपनी स्थापना के काल से ही रोजगार के नए अवसर सृजित करने, सहायक उद्योगों को बढ़ावा देने और लाखों परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार बनकर राज्य के आर्थिक विकास में अपनी अनमोल भूमिका निभाता रहा है।

पूजन, पूर्णाहुति और कन्या पूजन के साथ शक्ति की भक्ति के महापर्व शारदीय नवरात्र का हुआ सामापन

0 विजयदशमी पर आज होगा 60 फिट ऊंचे रावण, कुम्भकर्ण व मेघनाथ के पुतलों का दहन

0 मेरठ की प्रसिद्ध झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र 0 स्टेडियम ग्राउंड में दशहरा महोत्सव का भव्य आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को हवन, पूजन पूर्णाहुति और कन्या पूजन व भंडारे के साथ नौ दिनों तक आदिशक्ति की भक्ति के महापर्व शारदीय नवरात्र का सामापन हो गया। आज मंगलवार को विजयदशमी पर आकर्षक झांकी एवं गाजे बाजे के भगवान श्रीराम जानकी की शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी और स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित विविध कार्यक्रमो के बीच 60 फिट के रावण, कुम्भकर्ण व मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा। वहीं बुधवार को भव्य विसर्जन शोभायात्रा के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। शारदीय नवरात्र पर नौ दिनों तक शहर सहित समूचा जिला शक्ति की भक्ति में लीन और धार्मिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा। इस दौरान शहर की विभिन्न सार्वजनिक समितियों के द्वारा विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो के साथ खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जो धार्मिकता के साथ लोगो के लिए मनोरंजन का साधन भी रहा।

शक्ति की आराधना के लिए जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में पूजा अर्चना के साथ आस्था के दीप प्रज्वलित किये गए थे। वहीं शहर के भैयाथान रोड, मन्दिरपारा, कृष्ण कुंजनगर, श्री राम मन्दिर, नया बाजार पारा, रंगमंच, मंडी रोड, बड़खापारा, बंगलीपारा, नवापारा, गोपालपुर सहित विभिन्न मार्गों पर सार्वजनिक समितियों द्वारा भव्य व आकर्षक पंडालो का निर्माण कराकर माँ दुर्गा की नयनाकर्षण प्रतिमाएं स्थापित कर विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ माता रानी की विधिविधान से पूजा अर्चना की गई। जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या मे श्रद्धालु शामिल हुए।

आज अग्रसेन भवन से निकलेगी विशाल शोभायात्रा

असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व इस वर्ष भी पारंपरिक उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। शहर में दशहरा महोत्सव को लेकर व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। सूरजपुर सेवा समिति के आयोजन तथा शहर की समस्त दुर्गा पूजा समितियों की अगुवाई में इस वर्ष भी परंपरानुसार आज मंगलवार को अग्रसेन स्टेडियम में भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में परंपरानुरूप 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन होगा। वहीं कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का दहन भी किया जाएगा। धार्मिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक कार्यक्रमों से सजी इस शाम को यादगार बनाने के लिए आयोजक जुटे हुए हैं।

दशहरा महोत्सव के अंतर्गत आज 20 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे भैयाथान रोड पंच मंदिर पारा स्थित श्री अग्रसेन भवन से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां और धार्मिक प्रस्तुतियां उत्सव की छटा बिखेरेंगी। जो भैयाथान रोड, मेन रोड, नवापारा, केतका रोड होते हुए स्टेडियम पहुँचेगी। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और शहरवासियों में उत्साह का माहौल है। अग्रसेन स्टेडियम में मुख्य आयोजन के दौरान राम दरबार की झांकी का मंचन, पूजा-अर्चना, मेरठ की प्रसिद्ध झांकी, राम-रावण संवाद एवं मंचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, धार्मिक भजन संध्या और भव्य आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। दशहरा महोत्सव में भगवान श्रीराम और रावण के बीच संवाद एवं युद्ध का मंचन किया जाएगा। इसके साथ ही शिव महिमा, शिव तांडव, शिव विवाह की विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी। आयोजन में 11 फीट ऊंचाई वाले गुरिल्ला की झांकी सहित विभिन्न आकर्षक झांकियां दर्शकों को आकर्षित करेंगी। धार्मिक भजनों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच रावण, कुंभकर्ण एवं मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जाएगा।

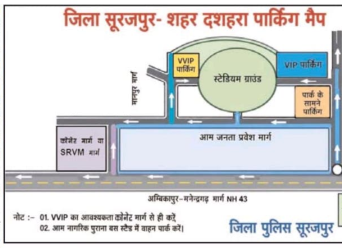

सूरजपुर सेवा समिति के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल एवं सचिव रामकृष्ण ओझा ने बताया कि दशहरा महोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। शहर की समस्त दुर्गा पूजा समितियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। महोत्सव में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शशि सिंह, कलेक्टर रेना जमील, पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल, डीएफओ विपुल अग्रवाल तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बिजेंद्र सिंह पाटले अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सूरजपुर सेवा समिति ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित दशहरा महोत्सव में शामिल होकर इस पारंपरिक पर्व की भव्यता के साक्षी बनें और बुराई पर अच्छाई की विजय के संदेश को आत्मसात करें।

पुलिस ने दशहरा पर्व के लिए जारी किया पार्किंग मैप

दशहरा पर्व के दौरान शहर में सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने पार्किंग स्थल एवं वाहनों के आवागमन का मैप जारी किया है। आज मंगलवार को दशहरा पर्व के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देश पर यातायात पुलिस ने बेहतर यातायात प्रबंधन की तैयारी की है। पुलिस ने नागरिकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही अपने वाहन खड़े करने तथा यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। दशहरा पर्व के दिन शहर में पिकअप वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, कार्यक्रम स्थल की ओर वाहनों से आने वाले लोगों के लिए अग्रसेन चौक से आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। चारपहिया वाहन चालक बड़कापारा एवं मानपुर चौक मार्ग से होते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे तथा अपने वाहनों को हाईस्कूल ग्राउंड में निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ा करेंगे।

प्रतिमा विसर्जन के दौरान भारी वाहनों के लिए निर्धारित मार्ग

यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय ने बताया कि बुधवार, 21 अक्टूबर को मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के उपरांत सभी भारी वाहन बाईपास रिंग रोड, महगवां होते हुए भैयाथान रोड की ओर जाएंगे। इस व्यवस्था का उद्देश्य शहर के भीतर यातायात का दबाव कम करना तथा आम नागरिकों के आवागमन को सुचारु बनाए रखना है। यातायात पुलिस ने नागरिकों से दशहरा पर्व के दौरान निर्धारित मार्गों एवं पार्किंग व्यवस्था का पालन करने की अपील की है। साथ ही शराब का सेवन कर वाहन नहीं चलाने, दोपहिया वाहन पर तीन सवारी नहीं बैठाने तथा यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी है।

क्रेशर प्लांट व मशीनों में आगजनी व शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में चांदनी पुलिस ने 6 को किया गिरफ्तार

अनियंत्रित ट्रेक्टर की चपेट में आई स्कूटी सवार महिला की मौत के बाद हुआ था बवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सड़क हादसे में 28 वर्षीय महिला की मौत के बाद हुए बवाल और आगजनी की घटना पर पुलिस ने संगठित होकर क्रेशर प्लांट व मशीनों में आगजनी करने व शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने का अपराध दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि ग्राम ठाड़पाथर के राजनारायण पाण्डेय ने थाना चांदनी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह ग्राम खालबहरा में महावीर पाठक के केशर में मुंशी व देखरेख सुरक्षा का काम करता है। 17 अक्टूबर के दोपहर में महावीर पाठक के ट्रेक्टर का चालक जयकुमार वैस के द्वारा ग्राम कुबेरपुर बिजय कुमार साकेत के घर पास ग्रामीण रोड से बोल्डर लोड कर आते समय रास्ते में टीव्हीएस स्कूटी में सवार एक महिला का एक्सीडेंट कर दिया था। इस बात को लेकर छकउ, सुभगलाल, मनीष यादव, मुन्नीलाल यादव सहित अन्य लोगों के द्वारा संगठित रूप से कुबेरपुर चौक के पास एकत्र हुए जो काफी उग्ररूप धारण कर लिये और मौके पर पुलिस एवं तहसीलदार बिहारपुर के द्वारा उन लोगो को समझाईश देने के बाद भी रास्ता जाम कर दिये और मानने को तैयार नही थे तथा क्रेशर में आग लगाने की धमकी दे रहे थे। रात में डीजल-पेट्रोल लेकर संगठित होकर क्रेशर प्लांट, मकान, एक जेसीबी मशीन,एक डिजी जनरेटर, मोटर सायकल, ट्रेक्टर तथा कुर्सी टेबल को आग लगा दिये। रिपोर्ट पर थाना चांदनी में आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 191(2), 111(3), 326(6), 109, 324(6), 331(5), 61(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने आरोपियों की पतासाजी करते हुए धरपकड़ के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी ओड़गी राजेन्द्र मण्डावी के मार्गदर्शन में चांदनी पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना के दौरान दबिश देकर प्रकरण के आरोपी छकउ साकेत नावाटोला, सुभग लाल साकेत व मनीष यादव, मुन्नीलाल यादव कुबेरपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने जुर्म स्वीकार किया जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

वहीं दूसरे मामले में छकउ, सुभगलाल, मनीष, मुन्नीलाल, मालिकचंद, कृष्ण यादव व अन्य लोगों के द्वारा कुबेरपुर चौक में मेनरोड रोड पर प्रदर्शन करते हुए एकत्र होकर चक्का जाम कर दिये थे और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न किए। पुलिस व कार्यपालिक दण्डाधिकारी के द्वारा प्रदर्शनकारियों को चक्का जाम न करने की बार-बार समझाईश दी गई किन्तु बात न मानकर आक्रोशित होकर विरोध कर शव पंचनामा कार्रवाई एवं शव को नहीं ले जाने देंगे कहते हुए शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन किया गया। प्रार्थी प्रभारी तहसीलदार के सी जाटवर बिहारपुर की रिपोर्ट पर थाना चांदनी में 6 नामजद आरोपियों सहित अन्य लोगों के विरुद्ध धारा- 296, 351(3), 115(2), 191(2), 121(1), 221, 132, 127(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी छकउ साकेत नवाटोला, सुभगलाल साकेत कुबेरपुर, मनीष यादव, मुन्नीलाल यादव, मालिकचंद साकेत, कृष्ण यादव पिता रामअधीन यादव ग्राम कुबेरपुर को पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपियों ने जुर्म स्वीकार किया जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी चांदनी लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, थाना प्रभारी ओड़गी अलरिक लकड़ा व उनकी टीम सक्रिय रहे।

ज्ञात हो कि कुबेरपुर निवासी संजय जायसवाल की पत्नी चंद्रावती जायसवाल बीते शनिवार की दोपहर को बिहारपुर चौक से पूजा का सामान लेकर अपनी स्कूटी से घर लौट रही थीं। इसी दौरान गांव की बस्ती में चल रहे एक गिट्टी लोड ट्रेक्टर पाठक क्रेसर से अनियंत्रित रफ्तार से निकला और स्कूटी सवार महिला को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में ट्रैक्टर का पहिया स्कूटी सवार महिला चंद्रावती के ऊपर से निकल गया जिससे महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था। वहीं मौके पर पहुंचे तहसीलदार व पुलिस अधिकारियों को कथित रूप से बंधक बना लिया था और उत्तेजित ग्रामीणों ने क्रेसर बंद करने की मांग करते हुए रात को आग के हवाले कर दिया था। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था और करीब 11 घण्टे के प्रदर्शन पश्चात मामला शांत हो सका था। अब मामले में पुलिस अपनी कार्रवाई में सक्रिय है।

गरबा-डांडिया उत्सव में उमड़ा आस्था और उत्साह का जनसैलाब

स्टेडियम ग्राउंड में देर रात तक गूंजे गरबा के गीत, आकर्षक परिधानों में सजे श्रद्धालुओं ने जमकर किया नृत्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की भक्ति, श्रद्धा और आस्था से सराबोर प्रतापपुर में मां दुर्गा पूजा समिति बस स्टैंड द्वारा स्टेडियम ग्राउंड में गरबा डांडिया उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा स्टेडियम ग्राउंड माता रानी की भक्ति एवं उत्साह से सराबोर रहा।

गरबा उत्सव में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आकर्षक परिधानों में सजे प्रतिभागियों के हाथों में डांडिया और गरबा की धुन पर थिरकते कदम कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे। विशेष रूप से महिलाओं में गरबा-डांडिया को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

महिलाएं अपने परिवारजनों के साथ कार्यक्रम में पहुंचीं और एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों एवं गरबा की धुन पर जमकर नृत्य करती नजर आईं। रंग-बिरंगे परिधानों, डांडिया की खनक और माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बच्चों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक सभी में गरबा उत्सव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से गरबा-डांडिया नृत्य कर नवरात्रि महापर्व को उल्लास और उमंग के साथ मनाया। आयोजन ने नगर में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

आयोजन को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, अनमोल शर्मा, संरक्षक कमलेश गुप्ता, अरविंद जायसवाल,नवीन सोनू जायसवाल, विनोद जायसवाल,सूरज रजक, शुभम कश्यप, संजय जायसवाल, अंकित जायसवाल, आयुष अग्रवाल, सूर्या अग्रवाल, एवं सुमित गुप्ता, सोनू कश्यप, मनीष तायल, सूर्या अग्रवाल, सूर्या जायसवाल सहित समिति के सदस्यों का सक्रिय योगदान मिल रहा है।

55 फीट ऊंचे रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का होगा दहन

दशहरा महोत्सव के अवसर पर मंगलवार को स्टेडियम ग्राउंड, बस स्टैंड प्रतापपुर में रावण, मेघनाथ एवं कुंभकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जाएगा। आयोजन में 55 फीट ऊंचे पुतले विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस दौरान मंच पर राम-रावण युद्ध की शानदार प्रस्तुति के साथ भव्य आतिशबाजी एवं कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। दशहरा महापर्व को लेकर नगरवासियों में खासा उत्साह है। प्रतापपुर में हर वर्ष दशहरा उत्सव के दौरान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

विशाल पुतला दहन, राम-रावण युद्ध और आकर्षक आतिशबाजी के बीच स्टेडियम ग्राउंड उत्सव के रंग में रंगने को तैयार है।

शारदीय नवरात्र का हवन, कन्याभोज के साथ समापन, आज मनाई जाएगी विजयादशमी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शारदीय नवरात्र का पूजा, आरती, हवन और कन्याभोज के साथ विधि-विधान से समापन हो गया। सोमवार को सुबह से ही महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर सहित शहर के विभिन्न देवी मंदिरों व शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही।

सुबह से ही मंदिरों के बाहर पूजन, हवन और कन्या भोज का सिलसिला शुरू हो गया था, जो शाम तक चलता रहा। शहर के विभिन्न स्थानों पर पंडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष भी आरती और हवन के लिए श्रद्धालु पहुंचे। पूरे दिन लोग भक्ति भाव में डूबे रहे। घरों में भी परिवार के साथ पूजा-अर्चना और हवन किया गया, साथ ही कन्या भोज का आयोजन हुआ। नौ दिनों तक चली मां दुर्गा की उपासना के समापन के साथ ही आज मंगलवार को विजयादशमी पर्व मनाया जाएगा। घर-घर दीप जलेंगे और आतिशबाजी होगी।

पीजी कॉलेज मैदान में रावण दहन आज

सरगुजा सेवा समिति, नागरिक सेवा समिति व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को शाम साढ़े 5 बजे पीजी कॉलेज मैदान में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण का पुतला दहन किया जाएगा। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है। इसे देखते हुए पुलिस व जिला प्रशासन की ओर से आयोजन स्थल से लेकर पूरे शहर में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं। इसके पहले हिंदू युवा एकता मंच के द्वारा शहर के कलाकेंद्र मैदान से मां महामाया मंदिर तक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी।

जवारा शोभायात्र: जीभ में बाना भेदकर की भक्ति, महामाया मंदिर में विसर्जन

शारदीय नवरात्रि के महानवमी के अवसर पर मायापुर स्थित देवी धाम से बाजे-गाजे के साथ मां की जवारा शोभायात्रा निकाली गई। नगर भ्रमण के पश्चात मां महामाया मंदिर में जवारा का विसर्जन किया गया।

मायापुर चांदनी चौक स्थित देवी धाम से निकली भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष भक्तों ने अपने जीभ में बाना को आर-पार भेदकर शिरकत की। धाम से निकली शोभायात्रा मायापुर, गुरुनानक चौक, महामाया चौक, समलाया मंदिर होते हुए मां महामाया मंदिर पहुंची, यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ जवारा विसर्जित किया गया। शोभायात्रा दौरान जगह-जगह स्वागत और पूजा-अर्चना की गई। मायापुर स्थित देवी धाम में पिछले 100 वर्षों से अधिक समय से जवारा रखा जा रहा है और इस परंपरा का निर्वहन पुजारी रामानंद सिंह द्वारा किया जा रहा है। मान्यता है कि इस धाम में देवी का वास श्रद्धालुओं पर होता है और श्रद्धालु जीभ में लोहे के बने बाना को आर-पार कर देवी को प्रसन्न करते हैं।

ट्रैफिक एडवाइजरी: शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री

दशहरा पर्व के अवसर पर सरगुजा पुलिस ने यातायात व्यवस्था को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जारी यह एडवाइजरी 20 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे से रात 11 बजे तक लागू रहेगी। पुलिस ने शहर में जाम से बचने के लिए 10 पार्किंग स्थल निर्धारित किए हैं और प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन प्लान तैयार किया है। यातायात पुलिस का अमला सड़कों पर तैनात रहेगा।

शाम 4 से रात 10 बजे तक विशेष सख्ती

डायवर्जन प्लान अंतर्गत भारी वाहनों के लिए दोपहर 3 बजे से रात 11 बजे तक अंबिकापुर शहर में नो एंट्री रहेगी। शाम 4 से रात 10 बजे तक विशेष रूप से सख्ती रहेगी। मनेंद्रगढ़-बनारस रोड से आने वाले वाहन साईं मंदिर तिराहा, महापौर मार्ग, रावत रेजीडेंसी तिराहा, कन्या परिसर रोड होते हुए गंगापुर मोड़, मासूम अस्पताल के पास रिंग रोड, बस स्टैंड होते हुए गंतव्य की ओर जाएंगे। गढ़वा-प्रतापपुर रोड से आने वाले वाहन रिंग रोड, प्रतापपुर चौक, लरंगसाय चौक, चांदनी चौक, सद्भावना चौक, भारतमाता चौक, बस स्टैंड होते हुए जाएंगे।रायगढ़-बिलासपुर रोड से आने वाले वाहन रिंग रोड, भारतमाता चौक, बिलासपुर चौक, नया बस स्टैंड, मासूम अस्पताल के पास गंगापुर मोड़, माखन विहार तिराहा, एमजी रोड होते हुए जाएंगे। आपातकालीन सेवा वाहनों को शहर में आने-जाने की छूट रहेगी।

शहर में 10 पार्किंग स्थलों का निर्धारण

पी-01 औद्योगिक रोड-व्हीआईपी एवं पासधारी वाहनों के लिए, पी-02 पीजी कॉलेज गेट-ड्यूटीरत अधिकारी-कर्मचारियों के लिए, पी-03 डाइट/पटवारी प्रशिक्षण मैदान-मीडिया एवं आकाशवाणी चौक से आने वालों के लिए, पी-04 बनारस रोड दुबे प्लॉट-बनारस रोड से आने वालों के लिए, पी-05 नवापारा चर्च के सामने मैदान-आकाशवाणी चौक से आने वालों के लिए, पी-06 सर्कस मैदान-अंबेडकर चौक से आने वालों के लिए, पी-07 पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान (आईटीआई गेट)-गांधी चौक से आने वालों के लिए, पी-08 राजमोहिनी देवी भवन-अंबेडकर चौक व एमजी रोड से आने वालों के लिए, पी-09 राजमोहिनी देवी भवन के पीछे मैदान-अंबेडकर चौक व एमजी रोड से आने वालों के लिए, पी-10 किसान राइस मिल मैदान-एमजी रोड से आने वालों के लिए।

बेजुबान डॉग शेल्टर- 7 साल में 11 हजार से ज्यादा को मिली नई जिंदगी

210 कुत्तों, घायल घोड़ों और बिल्लियों की हो रही देखभाल, जशपुर से रेस्क्यू कर लाए 3 घायल घोड़े

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। इंसानों की सेवा तो हर कोई करता है, पर उन बेजुबानों की सेवा जो अपना दर्द भी नहीं बता सकते, वही सच्ची मानवता है। ऐसी ही मानवता की मिसाल पेश कर रहा है अंबिकापुर का बेजुबान डॉग शेल्टर। पिछले सात वर्षों में इस शेल्टर ने 11,000 से अधिक घायल, बीमार और बेसहारा कुत्तों का रेस्क्यू कर उन्हें नया जीवन दिया है।

शेल्टर के संचालक सुधांशु शर्मा ने बताया कि वर्तमान में शेल्टर में 210 डॉग्स की देखभाल की जा रही है। खास बात यह है कि शेल्टर अब सिर्फ कुत्तों तक सीमित नहीं है। यहां घायल बिल्लियों और घोड़ों को भी आश्रय, भोजन और उपचार दिया जा रहा है।

जशपुर से लाए गए तीन घायल घोड़े

हाल ही में शेल्टर की टीम ने मानवता की एक और मिसाल पेश की। जशपुर से आगे के क्षेत्र से तीन घोड़ों को गंभीर रूप से घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया। तीनों के पैरों में गहरी चोटें थीं। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें सुरक्षित अंबिकापुर शेल्टर तक पहुंचाया, जहां अब उनका उपचार चल रहा है। यह रेस्क्यू बताता है कि बेजुबान शेल्टर हर बेजुबान के लिए तत्पर है।

सड़क हादसों में घायल जानवरों का सहारा

बेजुबान डॉग शेल्टर का मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों में घायल, गंभीर बीमार और मालिकों द्वारा छोड़े गए बेसहारा जानवरों को समय पर मदद पहुंचाना है। टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचती है, घायल जानवर को सुरक्षित लाती है और उसके भोजन, दवा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करती है। कई जानवर ऐसे हैं जिन्हें जीवनभर देखभाल की जरूरत है, शेल्टर उनके लिए स्थायी घर बना हुआ है।

जन सहयोग से चल रहा है नेक काम

इतने बड़े सेवा कार्य के लिए संसाधनों की भारी जरूरत होती है। शेल्टर का पूरा संचालन आम लोगों और पशु प्रेमियों के सहयोग और दान से चलता है। प्रतिदिन सैकड़ों जानवरों के भोजन, दवाइयों, इलाज और परिवहन में काफी खर्च आता है। सीमित संसाधनों के बावजूद टीम पूरी निष्ठा से जुटी है। शेल्टर ने समाज के लोगों से अपील की है कि इस नेक कार्य में सहयोग करें। आपका छोटा सा सहयोग भी किसी घायल जानवर के लिए नई जिंदगी बन सकता है।

सरगुजा राजपरिवार का दशहरा उत्सव संधि पूजा के साथ शुरू

टीएस सिंहदेव और आदित्येश्वर ने की कुलदेवी महामाया की पूजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अष्टमी तिथि के अंत और नवमी तिथि के प्रारंभ पर होने वाली विशेष संधि पूजा के लिए सरगुजा राजपरिवार के मुखिया पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव अपने भतीजे आदित्येश्वर शरण सिंहदेव के साथ सोमवार को सुबह कुलदेवी मां महामाया दरबार पहुंचे। सुबह 7.53 बजे उन्होंने कुलदेवी मां महामाया, इसके बाद मां समलाया का विशेष श्रृंगार और संधि पूजा की। इस दौरान मंदिर प्रांगण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। पूजा-अर्चना करके मंदिर से बाहर निकलने के बाद टीएस सिंहदेव ने आमजनों का अभिवादन करके उन्हें नवरात्रि एवं दशहरा की बधाई दी।

गौरतलब है कि, मां महामाया सरगुजा राजपरिवार की कुलदेवी हैं और नवमी तिथि पर पहली पूजा राजपरिवार के द्वारा ही की जाती है। नवमी पर संधि पूजा के साथ ही सरगुजा राजपरिवार के दशहरा उत्सव की शुरुआत हो गई है। इस पारंपरिक पूजा में सोमवार को नवमी तिथि पर बैगाओं के द्वारा पैलेस में द्वार एवं फाटक पूजा भी की गई। पूजा के बाद बैगा ने फाटक खोला और इनसे अनुमति लेकर राजपरिवार ने पैलेस में प्रवेश किया और पुजारी बैगाओं को नवरात्रि एवं दशहरा की बधाई दी।

मंगलवार को विजयादशमी के मौके पर सरगुजा पैलेस परिसर में राजपरिवार के प्रमुख टीएस सिंहदेव और उत्तराधिकारी आदित्येश्वर शरण सिंहदेव द्वारा अश्व, गज, ध्वज, नगाड़ा, शस्त्र सहित कई पूजा संपन्न की जाएगी। इसके बाद सरगुजा महराजा टीएस सिंहदेव, राजा अरूणेश्वर शरण सिंहदेव और युवराज आदित्येश्वर शरण सिंहदेव दोपहर बाद 3.30 बजे से श्री रघुनाथ पैलेस में बैठेंगे और आमजनों से मुलाकात करेंगे। सरगुजा राजपरिवार से जुड़े कई पुराने जमींदार, गौटिया परिवारों द्वारा इस दौरान पारंपरिक रीति अनुसार महाराज को नजराना भेंट किया जाएगा।

माता रानी के जयकारे से गूंजा कोणार्क वासुदेव बिहार, जागरण और गरबा में झूमे श्रद्धालु

टीम केवीवी ने कराया आयोजन, शहडोल के गौरव तिवारी के भजनों ने किया भाव-विभोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर कोणार्क वासुदेव बिहार कॉलोनी में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्टीम केवीवी के तत्वावधान में एक शाम माता के नाम भव्य जागरण एवं डांडिया-गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूरी कॉलोनी माता रानी की भक्ति में सराबोर नजर आई। कार्यक्रम में शहडोल के सुप्रसिद्ध भजन गायक गौरव तिवारी एवं उनकी संगीत मंडली ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। माता रानी के जयकारों और मधुर भजनों पर श्रद्धालु झूमते-गाते नजर आए। पूरा परिसर 'जय माता दी' के गगनभेदी उद्घोष से गूंज उठा। इस मौके पर किए गए आयोजनों को सफल बनाने में टीम केवीवी के अध्यक्ष देवेश शुक्ला, दीपक सोनी सहित पूरी टीम का विशेष योगदान रहा। आयोजकों ने सहयोग के लिए सभी कॉलोनीवासियों, कलाकारों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए माता रानी से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

जागरण का मुख्य आकर्षण भगवान शिव-पार्वती और मां काली की जीवंत झांकियां रहीं। शिव-पार्वती की मनमोहक छवि ने जहां श्रद्धालुओं को शांति और प्रेम का अनुभव कराया, वहीं मां काली के रौद्र रूप की सजीव प्रस्तुति ने सभी में नई ऊर्जा और भक्ति का संचार कर दिया। कलाकारों की नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

गरबा-डांडिया व भंडारे का आयोजन

भजन संध्या के बाद भव्य डांडिया और गरबा का आयोजन हुआ। पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे बच्चों, महिलाओं और युवाओं ने जमकर गरबा किया। कार्यक्रम के अंत में सात्विक प्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कॉलोनीवासियों ने सपरिवार प्रसाद ग्रहण किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर